केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 34 रविवार 25 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पत्रकार अनिल श्रीवास्तव की पुण्य तिथि पर आयोजन 18 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्वांचल के वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार श्रीवास्तव की पुण्य तिथि 18 सितम्बर दिन बुधवार को बस्ती प्रेस क्लब के सभागार मे मनायी जायेगी। यह जानकारी देते हुए प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय ने बताया कि उनकी स्मृति मे स्वास्थ्य शिविर तथा रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जायेगा । उनकी स्मृति में कई स्थानों पर सहभोज का भी आयोजन किया जायेगा तथा कई गांवो मे पौध रोपण के साथ–साथ पौध वितरण भी किया जायेगा और वृद्धाश्रम मे फल वितरण का कार्यक्रम होगा।

बाढ पीड़ितों को सहायता के लिये सौपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय के निर्देश पर पार्टी के एक प्रतिनिधि मंडल (जिला पंचायत सदस्य एवं कांग्रेस प्रदेश सचिव अनिल कुमार भारती के नेतृत्व में) ने बाढ़ प्रभावित इलाकों (बैड़ारी एहतमाली, महपुर मदरहवा, महुआपार कला) का दौरा कर नुकसान और वास्तविक स्थिति का अवलोकन किया। सज्ञान में आया है कि तमाम लोग बाढ़ से हुई कटान के चलते बेघर हो गये हैं, उनके मकान नदी की जलधारा में समां गये।

उन्होने बाढ़ राहत शिविरों में शरण लिया है। आम जनता के साथ पशु भी बेहाल हैं। कई परिवारों के सामने भोजन का संकट उत्पन्न हो गया है। हालांकि शिविरों में कम्यूनिटी किचन सक्रिय है लेकिन इंतजाम पर्याप्त नही है। जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से पार्टी के पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं ने जिधिकारी को सत्बोधित 4 सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधिकारी (प्रशिक्षु) सुनिष्ठा सिंह को सौंपकर बाढ़ प्रभावित परिवारों की सुरक्षा व पुनर्वास की मांग किया है। सौंपे गये ज्ञापन में बाढ़ प्रभावित परिवारों के पुनर्वास का प्रबंध किये जाने, राहत शिविरों में भोजन, शयन व अन्य प्रबंध सुनिश्चित किये जाने, बाढ़ प्रभावित परिवारों की क्षति का मूल्यांकन कर उन्हे शासन से क्षतिपूर्ति दिलाये जाने तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में परिवारो की सुरक्षा का प्रबंध किये जाने की मागें शामिल हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में वरिष्ठ कांग्रेसी बाबूराम सिंह एडवोकेट, अवधेश सिंह, अशोक श्रीवास्तव, गंगा प्रसाद मिश्र तथा डीएन शास्त्री आदि उपस्थित थे।

आर्य समाज के कार्यक्रम में दिया उपदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आर्य समाज गांधी नगर बस्ती में श्रावणी उपाकर्म वेद प्रचार सप्ताह के कार्यक्रम के अंतर्गत आर्य समाज मंदिर में आर्य समाज के उद्देश्य एवं वर्तमान में इसकी अति आवश्यकता के सम्बन्ध में विचार दिए गये। कार्यक्रम का शुभारंभ सत्येन्द्र वर्मा स्थानीय भजनोपदेशक द्वारा सुन्दर भजनोपदेश के माध्यम से किया गया। तदुपरांत पं० हरिहर मुनि, पं० राधेश्याम ने और अंत में नैनीताल उत्तराखंड से आए हुए पंडित देव शर्मा द्वारा सुमधुर भजन के माध्यम से उपदेश दिया। इस कार्यक्रम में सनातन धर्म में व्याप्त कुरीतियों एवं पाखंडों पर ऋषि दयानंद को नमन करते हुए आर्य समाज द्वारा किए गए उपकारों पर प्रकाश डाला। मुरली धर भारती, विनोद कुमार उपाध्याय, बृजकिशोर गुप्ता,सुमन आर्या, द्रौपदी देवी, सर्वेश सक्सेना आदि शामिल रहे।

केन्द्र सरकार ने दिया एकीकृत पेंशन योजना को मंजूरी

नई दिल्ली (आभा)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने 24 अगस्त को सरकारी कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को मंजूरी दे दी। इस कदम का उद्देश्य सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन प्रदान करना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया ब्रीफिंग के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्र ने एक समिति का गठन किया जिसने आरबीआई और विश्व बैंक सहित कई शीर्ष संगठनों के साथ 100 बैठकें कीं। कमेटी की अनुशंसा के आधार पर शनिवार को कैबिनेट बैठक में यूपीएस को मंजूरी दे दी गयी। अगर कोई 10 साल बाद नौकरी छोड़ देता है तो 10 हजार रुपए पेंशन मिलेगी

सरकारी कर्मचारियों ने नई पेंशन योजनाओं में कुछ बदलाव की मांग की है। इसके लिए पीएम मोदी ने कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। इस समिति ने विभिन्न संगठनों और लगभग सभी राज्यों के साथ 100 से अधिक बैठकें कीं। पीएम मोदी के काम करने के तरीके और विपक्ष के काम करने के तरीके में अंतर है। विपक्ष के विपरीत, पीएम मोदी व्यापक विचार–विमर्श करने में विश्वास करते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक और विश्व बैंक सहित सभी के साथ विस्तार परामर्श के बाद, समिति ने एक एकीकृत पेंशन योजना की सिफारिश की है। आज, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस एकीकृत पेंशन योजना को मंजूरी दे दी है, और इसे भविष्य में लागू किया जाएगा।

पुलिस भर्ती परीक्षा: पकड़े गये 72 संदिग्ध

लखनऊ (आभा)। यूपी के विभिन्न जिलों में सिपाही भर्ती परीक्षा का आज दूसरा दिन संपन्न हो गई। दोनों पालियों में संपन्न हुई परीक्षा में 963676 में से 657443 अभ्यर्थी शामिल हुए। जबकि 72 संदिग्ध पकड़े गए। सरकार के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनी परीक्षा को लेकर शनिवार को डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि परीक्षा का आज दूसरा दिन है। 10 पालियों में परीक्षा हो रही है जो कि पांच दिन चलेगी। शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षाएं हो रही हैं।

आवागमन को लेकर बस और ट्रेनों में भारी भीड़ रही। चाय, खान–पान के दूकानदारों की बल्ले–बल्ले हो गई।

डीएम, एसपी ने सुनी फरियाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता व पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी द्वारा थाना पुरानी बस्ती पर आयोजित थाना समाधान दिवस पर फरियादियों के समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित व गुणवत्तापरक निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा राजस्व विभाग व पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारियों की टीम बनाकर मौके पर जाकर शिकायतों के शत–प्रतिशत त्वरित/निष्पक्ष/ समयबद्धता/गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। समाधान दिवस के दौरान संबंधित नायब तहसीलदार, थाना प्रभारी, सम्बन्धित हल्का लेखपाल व थाने के अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

कड़ी सुरक्षा के बीच सम्पन्न हुई पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के 12 केंद्रों पर शनिवार से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा शुरू हुई। पहले दिन दो पॉलियों में कुल 2144 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी थी। आला अधिकारी सुबह से ही परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करने में जुटे रहे। जिले में परीक्षा 31 अगस्त तक चलेगी।

परीक्षा के दूसरे दिन शनिवार को सुबह सात बजे से ही परीक्षा केन्द्रों पर विभिन्न जनपदों से आए अभ्यर्थियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। सुबह आठ बजे तक केन्द्रों पर परीक्षार्थियों की कतार लगनी शुरू हो गई। पहली पॉली में सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक चली। इसमें कुल 4176 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इतने ही अभ्यर्थी दूसरी पॉली के लिए भी पंजीकृत हैं। जिले में अभी 25, 30 और 31 अगस्त को भी परीक्षाएं होनी हैं।

पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के लिए जीआईसी, जीजीआईसी, महिला पीजी कॉलेज, किसान इंटर कॉलेज, बेगम खैर गर्ल्स कॉलेज, एपीएन पीजी कॉलेज, शिवहर्ष किसान पीजी कॉलेज, जीआरएस इंटर कॉलेज, आर्यकन्या इंटर कॉलेज, श्रीकृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज और श्रीमती कृष्ण कुमारी पांडेय गर्ल्स इंटर कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। प्रत्येक दिन कुल 430 कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी लगाई गई थी। त्रिस्तरीय चेकिंग के बाद ही अभ्यर्थियों को केंद्र में प्रवेश दिया गया।

बंद मकान से जेवर, नकदी की चोरी

बनकटी (बस्ती)। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के मैंसा पाण्डेय गांव में शुक्रवार की रात बन्द मकान को चोरों ने बनाया निशाना , व सामान लेकर भागने में सफल रहे ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओम जी पाण्डेय पुत्र अद्या प्रसाद पाण्डेय ग्राम मैंसा पाण्डेय थाना मुण्डेरवा जो कि परिवार सहित बस्ती रहते हैं। शुक्रवार की रात उनके बंन्द मकान में घर के मुख्य द्वार में लगे चौनल का ताला तोड़कर घर के अंदर घुसे और घर के अंदर कमरों के ताले तोड़कर घर में रखा नगदी समेत गहना व सारा सामान चुरा कर भागने मे सफल रहे।

शनिवार की दोपहर लगभग साढ़े बारह बजे ओम जी पांडेय अपने पैतृक गांव मैंसा पाण्डेय खेत में खाद डलवाने के लिए आए तथा जैसे ही वह घर के दरवाजे पर पहुंचे तो घर के चैनल का ताला खुला देख घबरा गए । ओम जी घर के अगल – बगल के लोगों को बुलाया और घर के अंदर गए तो देखा कि घर के अंदर सभी कमरों का ताला टूटा हुआ था और सारा सामान बिखरा पड़ा था ।

चोरो द्वारा घर में रखा अलमारी बॉक्स , सूटकेस , आदि सभी तोड़कर 65000 नगदी समेत चांदी का 25 सिक्का ,सोने का कंगन अंगूठी आदि सहित जेवर एवं घर में रखा सभी कीमती सामान चोर उठा ले गए। पूरे परिवार का रो रो कर बुरा हाल है ।

थाना प्रभारी मुण्डेरवा द्वारिका प्रसाद चौधरी ने बताया कि मामला संज्ञान में है जॉच की जा रही है ।

दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विशेष न्यायाधीश एससी–एसटी एक्ट कमलेश कुमार की अदालत ने 14 वर्षीय दलित किशोरी को बहला फुसलाकर भगा ले जाने व दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को आजीवन सश्रम कारावास व 11 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड नहीं देने पर नौ माह 15 दिन के अतिरिक्त कारावास की सजा काटनी होगी। न्यायाधीश ने दूसरे आरोपी को साक्ष्य के अभाव में दोष मुक्त कर दिया।

विशेष शासकीय अधिवक्ता वीरेंद्र बहादुर सिंह व हयात मोहम्मद ने अदालत को बताया कि पैकोलिया थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता की मां ने एसपी बस्ती को प्रार्थना पत्र देकर कहा था कि उसकी बेटी कक्षा नौ की छात्रा है। पैकोलिया थाना अंतर्गत एक स्कूल में तीन फरवरी 2007 को पढ़ने गई थी, पीड़िता जब चार बजे शाम को स्कूल से लौट रही थी तो बिहार का रहने वाला हाल मुकाम मिश्रौलियाधीश थाना परशुरामपुर निवासी हनुमंत उसे बहला फुसला कर भाग ले गया।

पीड़िता को भगाने में मिश्रौलियाधीश निवासी बलराज राजभर, कमलेश कालू, सुबोध व अन्य शामिल हैं। पीड़िता स्कूल जाते समय घर से जेवर व रुपये भी लेकर गई थी। तहरीर के आधार पर सभी आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। दौरान विवेचना पुलिस ने कमलेश व हनुमंत के विरुद्ध आरोप–पत्र कोर्ट में दाखिल किया था।

पीड़िता ने कोर्ट में बयान दिया कि हनुमंत उसे जीप में बैठा कर बस्ती ले गया और एक भट्ठे पर जबरदस्ती दुष्कर्म किया। वहां 15–20 दिन रखा उसके बाद हनुमंत व कमलेश कोर्ट मैरिज करने के लिए बस्ती ले जा रहे थे तो परसा चौराहे पर पुलिस ने पकड़ लिया था। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के उपरांत हनुमंत को दोषी मानते हुए आजीवन सश्रम कारावास व अर्थदंड की सजा सुनाई।

सपा नेता का दावा: विधानसभा चुनाव में फिर एक हो सकते हैं अखिलेश, मायावती

लखनऊ (आभा)। 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में एक बार फिर मायावती और अखिलेश यादव एक हो सकते हैं। बसपा और सपा के गठबंधन को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामअचल राजभर ने दावा किया है। उन्होंने कहा, सामाजिक न्याय के मुद्दे पर आगामी विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव और मायावती फिर से एक मंच पर देखे जा सकते हैं। शनिवार को वाराणसी पहुंचे राम अचल राजभर ने कहा कि वर्तमान में सामाजिक न्याय बहुत ही ज्वलंत मुद्दा है। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से सत्ताधारी दल सामाजिक न्याय का हनन कर रहा है, उसे देखते हुए सभी राजनीतिक दलों को एक हो जाना चाहिए।

मायावती के भ्रष्टतम सीएम संबंधी बीजेपी नेता राजेश चौधरी के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजभर ने कहा कि ऐसा बयान देने वालों को पहले अपनी गिरेबान में झांकना चाहिए। भाजपा के शासनकाल में भ्रष्टाचार अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच चुका है। यह भाजपा वालों को नहीं दिखाई दे रहा है। बीजेपी विधायक अनर्गल बयान देकर राजनीतिक लाभ पाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन उन्हें नहीं पता कि ऐसा कहकर उन्होंने अपने ही पैर में कुल्हाड़ी मारी है। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। सपा महासचिव ने कहा कि मौजूदा सरकार बिना किसी पुष्ट साक्ष्य के विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई कर रही है। इसकी कीमत उसे आगामी विधानसभा चुनाव में हार से चुकानी पड़ेगी। इससे पूर्व बनारस पहुंचने पर सपा कार्यकर्ताओं ने रामअचल राजभर का जोरदार स्वागत किया।

भारतीय जनता पार्टी के विधायक राजेश चौधरी द्वारा बसपा सुप्रीमो मायावती पर प्रतिकूल टिप्पणी करने के बाद समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव मायावती के पक्ष में खुलकर आ गए हैं। अखिलेश ने कहा कि एक भूतपूर्व महिला मुख्यमंत्री के प्रति कहे गए अभद्र शब्द दर्शाते हैं कि भाजपाइयों के मन में महिलाओं और खासतौर से वंचित–शोषित समाज से आनेवालों के प्रति कितनी कटुता भरी है। मायावती ने अखिलेश के बयान पर उनका आभार जताते हुए कहा है कि मेरे ईमानदार होने के बारे में सच्चाई को माना है। बसपा सुप्रीमो ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा है कि सपा मुखिया ने मथुरा जिले के एक भाजपा विधायक को उनके गलत आरोपों का जवाब देकर उनके ईमानदार होने के बारे में सच्चाई को माना है, उसके लिए पार्टी आभारी है।

जातिगत जनगणना जरूरी– राहुल गांधी

प्रयागराज (आभा)। देश भर में जाति जनगणना की मांग पर जोर देते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर जाति जनगणना को जरूरी बताया। राहुल गांधी ने कहा, देश के 90 प्रतिशत लोग सिस्टम से बाहर बैठे हैं और उनके लिए यह कदम जरूरी है। उनके पास कौशल है, ज्ञान है लेकिन (सिस्टम से) कोई संबंध नहीं है। इसलिए हमने जाति जनगणना की मांग उठाई है। राहुल गांधी ने कहा, कांग्रेस के लिए जाति जनगणना नीति निर्माण की नींव है। राहुल ने कहा, कांग्रेस के लिए जातिगत जनगणना नीति निर्माण की बुनियाद है। जाति जनगणना को रोका नहीं जा सकता। राहुल गांधी ने इस दौरान भाजपा पर भी बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा भाजपा जाति जनगणना रोकना चाहती है।

शनिवार को प्रयागराज में आयोजित संविधान सम्मान सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, देश की आबादी के हिसाब से नीतियां बनाई जानी चाहिए, तभी सबको सरकार की योजनाओं का लाभ मिलेगा। राहुल बोले, देश की आधी आबादी ओबीसी, 15 प्रतिशत दलित और आठ प्रतिशत आदिवासी हैं। इन सबको जोड़ा जाए तो करीब 73 प्रतिशत होता है।

शिक्षक भर्ती में नई सूची बनाये जाने का सरकार का निर्णय सराहनीय–बृजेश पटेल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेश की 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने शुक्रवार को पूरी मेरिट लिस्ट रद्द कर दी है. कोर्ट ने तीन महीने के अंदर नई मेरिट लिस्ट जारी करने का आदेश दिया है। इसको लेकर सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंप कर नई सूची बनाये जाने के निर्णय का स्वागत किया है । कहा कि नई सूची बनाये जाने में पूरी तरह से पारदर्शिता रखी जाए एवं आरक्षित वर्ग के लोगों के कोटे को पूरा करने के लिए उसका पालन किया जाए

बता दें, यूपी की 69000 सहायक शिक्षक भर्ती मामले शुक्रवार हो लखनऊ हाई कोर्ट की डबल बेंच ने फैसला सुनाया. कोर्ट ने अपने फैसले में पूरी चयन सूची को ही रद्द कर दिया. इससे पहले एकल पीठ ने 69 हजार अभ्यर्थियों की चयन सूची पर पुनर्विचार करने के साथ–साथ 6800 अभ्यर्थियों की पांच जनवरी 2022 की चयन सूची को खारिज कर दिया था. न्यायमूर्ति ए आर मसूदी और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की पीठ ने महेंद्र पाल और अन्य की ओर से एकल पीठ के आदेश के खिलाफ दायर की गयी 90 विशेष अपीलों को एक साथ निस्तारित करते हुए नयी सूची बनाने के आदेश दिया है।

सपा के युवा संगठनों ने शिविर लगाकर बनाये 150 सदस्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी के युवा फ्रन्टल संगठनों द्वारा प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर शनिवार को महादेवा विधानसभा क्षेत्र के कुसौरा बाजार में शिविर लगाकर 150 सदस्य बनाये गये। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड अध्यक्ष अखिलेश यादव के संयोजन में आयोजित शिविर में स्थानीय लोगों को सदस्यता दी गई। सपा नेता विजय विक्रम आर्य ने युवा संगठनों के पदाधिकारियों, नेताओं का हौसला बढाते हुये कहा कि सदस्यता अभियान के साथ ही वे पार्टी के नीति, कार्यक्रमों को राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मंशा के अनुरूप युवाओं, छात्रों के बीच लेकर जाय।

मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सदस्यता प्रभारी राहुल सिंह, राष्ट्रीय सचिव विजय बहादुर वर्मा, छात्र , समाजवादी पार्टी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष अजय यादव, लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष रहमान सिद्दीकी के साथ ही सपा के जिला महासचिव मो. स्वालेह, विधानसभाध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी, कैश मोहम्मद, रिन्टू यादव, रामवृक्ष, कक्कू शुक्ल, निजामुद्दीन, रविन्द्र वर्मा, राम प्रवेश यादव, रामबचन सैनी आदि ने शिविर में सहयोग किया।

वक्ताओं ने कहा कि फ्रन्टल संगठनों के पदाधिकारी सपा के नीति और कार्यक्रमों से लोगों को मजबूती से जोडेने की जिम्मेदारी निभाये । समाज में राजनीतिक, सामाजिक परिवर्तन का दायित्व युवाओं के कंधों पर है। प्रदेश नेतृत्व द्वारा संगोष्ठी, पीडीए पौधरोपण के साथ ही जो कार्यक्रम दिये गये हैं उसे पूरी तन्मयता से पूरा किया जाय, युवा छात्र संघ बहाली के लिये रचनात्मक आन्दोलन के साथ ही पेपर लीक, मंहगी होती शिक्षा आदि के सवालों को लेकर संघर्ष तेज करे।

सदस्यता अभियान में नीरज कुमार, अताउल्लाह, मो. निसार, नईम, विवेक यादव, संदीप कुमार, अजय शर्मा, मो. हारिश के साथ ही फ्रन्टल संगठनों के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

भन्ते भिखू चंदिमा थेरो के जन्म दिन पर वृद्ध जनों में किया फल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। तथागत गौतम बुद्ध के उपासक बसपा सरकार में राज्यमंत्री रहे भन्ते भिखू चंदिमा थेरो अध्यक्ष धम्मा लर्निंग सेंटर सारनाथ के 40 वें जन्म दिन पर शनिवार को बहुजन समाज पार्टी के पूर्व मण्डल प्रभारी के.पी. राठौर के संयोजन में बनकटा स्थित वृद्धा आश्रम के लोगों में फल का वितरण कर उनके सुदीर्घ स्वस्थ जीवन की कामना किया गया।

वृद्ध जनों में फल वितरण के बाद बसपा नेता के.पी. राठौर ने कहा कि विश्व शांति और लोक कल्याण के लिए धम्म लर्निंग सेंटर के अध्यक्ष भिक्खु चंद्रिमा थेरो द्वारा तथागत बुद्ध का संदेश जन–जन तक पहुंचाया जा रहा है। वे करुणा, मैत्री, प्रज्ञा, शील, सुमाधि को जीवन का आधार बनाने के निरन्तर जागरूकता अभियान चलाते हैं। ऐसे व्यक्तित्व का जन्म दिन नेक कार्यो को करने की प्रेरणा देता है।

फल वितरण के बाद समाजसेवी अशोक सम्राट ने कहा कि तथागत बुद्ध ने अनेक लोगों का जीवन बदला है। भिक्खु चंद्रिमा थेरो बुद्ध का संदेश जन–जन तक पहुंचाने का दायित्व निभा रहे हैं। ईश्वर उन्हें स्वस्थ, लम्बी उम्र दे। फल वितरण करने वालों में विनय अंबेडकर प्रधान, अंकुरु प्रधान, अनूप , सोनू निगम, नागेन्द्र प्रताप आदि शामिल रहे।

जयपुरिया स्कूल में जन्माष्टमी पर्व की धूम: छात्रों ने दिया जीवन्त प्रस्तुति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्री कृष्ण जन्मोत्सव को लेकर स्कूलों में कार्यक्रमों की धूम है। सेठ एम. आर. जयपुरिया स्कूल में जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में छात्र–छात्राओं ने अनेक रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रिंसिपल सुभाष जोशी जी ने भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। उन्होने छात्रों को श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े अनेक प्रसंगों की जानकारी देते हुये कहा कि श्रीकृष्ण प्रेम, मित्रता धर्म की रक्षा करना बखूबी जानते हैं। बाल्यावस्था में उन्होने ग्वाल बाल मित्रों को अनेक संकटों से बचाया और गोवर्धन पर्वत को उंगली पर उठा लिया। युद्ध के मैदान में योगेश्वर कृष्ण ने अर्जुन को मोह से मुक्त कर युद्ध धर्म की विस्तार से व्याख्या किया जो युगों तक मार्ग दर्शक रहेगा। उन्होने छात्रों से कहा कि श्रीकृष्ण कभी संकटों से घबडाये नहीं और मुस्कुराते रहे। हमें भी उनसे यह सीख कर जीवन में उतारना चाहिये।

नृत्य गुरु मास्टर शिव के निर्देशन में छात्र–छात्राओं ने श्री कृष्ण जन्म से लेकर ,माखन चुराने, कंस वध ,कालिया मर्दन सहित अनेक प्रसंग की लीलाओं को प्रस्तुत किया। मास्टर शिव ने कहा कि जन्माष्टमी एक ऐसा त्यौहार है जिससे सबका विशेष लगाव है। बाल श्री कृष्ण की छबि करोड़ो मानस में रची बसी है।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सेठ एम. आर. जयपुरिया स्कूल स्कूल सजाकर कृष्णमयी रूप दिया गया। कार्यक्रमों में लुभानी, अदिति चंद्रा, शगुन पाण्डेय, जानवी सिंह, क्षमा कसौधन, आराध्या गुप्ता, प्रियांशी, रिदम, दिव्यांशी, अरुण, सार्थक, रोनित, सौरभ, शिवन्या, शगुन सागर, महिमा,आराध्या, गायन गुरु शिवम द्वारा अर्शी, पल्लवी शौर्या, शिफा ,कशिश ,आराध्या, आदि ने श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े अनेक प्रसंगों को जीवन्त कर मन मोह लिया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 अगस्त 2024 रविवार

सम्पादकीय

एन.डी.ए. सरकार की मुश्किलें

केन्द्र की एन.डी.ए. समर्थित मोदी सरकार क्या निर्णय ले पाने में खुद को असहज महसूस कर रही है? क्या सरकार के लिए उसके गठबंधन ही मुश्किलें पैदा कर रहे हैं? और क्या सरकार को पता नहीं कि वह जो करने जा रही है उसका विरोध होगा और बैकफुट तक पर आना पड़ेगा? क्या यह मोदी–शाह की शतरंज की चाल है या चाणक्य नीति? देश,पक्ष–विपक्ष को पता है कि मोदी–शाह इतने भी नासमझ नहीं कि उन्हें इनके परिणामों या इससे समर्थक दलों के नाक–भौं सिकोडने या विरोध का अंदाज न हो!

मोदी–शाह जानते हैं कि उनके मजबूत सहयोगी जे.डी.यू. और टी.डी.पी. अपने–अपने राज्यों में कट्टर सैकुलर समर्थक हैं। किसी भी दशा में अल्पसंख्यकों का विरोध नहीं लेंगे। यही उनकी पहचान भी है। अल्पसंख्यकों के हितों में बड़े–बड़े फैसले और योजनाएं दोनों राज्यों में लगातार जारी हैं। इतना सब जानते हुए भी मोदी सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल में ऐसा बार–बार कर बैकफुट पर आना कोई रणनीति तो नहीं? इसी अगस्त में 4 मामलों में सरकार का फैसला बदलना या यू–टर्न बताता है कि यह अनजाने में लिया गया फैसला नहीं हो सकता। बजट भाषण में वित्त मंत्री ने लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स में बदलाव की घोषणा के साथ संपत्ति की बिक्री के लिए इंडैक्सेशन लाभ को भी समाप्त करने का प्रस्ताव रखा।

इसका इतना जबरदस्त विरोध दिखा कि प्रावधानों में संशोधन करना पड़ा और नए–पुराने दोनों टैक्स सिस्टम में से किसी एक को चुनने का विकल्प देना पड़ा। इसी तरह वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक लाया गया। जिसमें वक्फ संपत्ति का जिला कलैक्टर कार्यालय में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कराने तथा मूल्यांकन कराने का प्रावधान किया गया। अधिनियम बनने से पहले या बाद में ऐसी वक्फ संपत्ति जो सरकारी रही हों, वक्फ की नहीं मानी जाएंगी। संपत्ति तय करने का अधिकार कलैक्टर को दिया गया जो अंतिम फैसला लेंगे। इसका पक्ष–विपक्ष ने विरोध किया जिसके बाद जे.पी.सी. को सौंपा गया। हालांकि अगले संसद सत्र तक देखना होगा कि सबका रुख क्या होगा?

फिलहाल अंदर ही अंदर चाहे नीतीश हों या चिराग या फिर टी.डी.पी. इन्हें कैसे राजी किया जाएगा और जे.पी.सी. रिपोर्ट में क्या आता है। इसी तरह सरकार द्वारा लाए गए ब्रॉडकास्टिंग बिल–2024 पर सरकार ने अपने पैर खींच लिए। इससे डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स और इंडीविजुअल कंटैंट क्रिएटर्स जबरदस्त तनाव में थे। विपक्ष भी इसको हवा दे रहा था। ओ.टी.टी. प्लेटफार्म्स और डिजिटल कंटैंट क्रिएटर्स सभी का कहना था कि बिल से एक तरह की सैंसरशिप की तैयारी है। इसके आने के बाद सरकार की कड़ी आलोचना हुई।

इसे निजता का उल्लंघन बता, दुरुपयोग की संभावनाओं के चलते विरोध किया गया। प्रैस की स्वतंत्रता के लिए घातक बताया गया। विरोध के बाद इसे भी होल्ड कर दिया गया और विचार–विमर्श के बाद नए ड्राफ्ट की बात कह एक तरह से ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसी तरह सबसे ज्यादा हल्ला लैटरल एंट्री को लेकर 17 अगस्त को प्रकाशित संघ लोक सेवा आयोग के उस विज्ञापन के बाद हुआ जिसमें ऐसी नियुक्तियों में आरक्षण की अनदेखी को खास मुद्दा बनाया गया। हालांकि साल 2018 में पहली बार मोदी सरकार ने कई नियुक्तियां की थीं। तब से लेकर अब तक 63 नियुक्तियां हो चुकी हैं। इसमें 35 प्राइवेट सैक्टर से हैं। जुलाई तक लैटरल एंट्री से आए 57 लोग अपने पदों पर काम कर रहे थे। लेकिन 17 अगस्त को 45 नई नियुक्तियों के एकमुश्त विज्ञापन से राजनीतिक बवाल शुरू हो गया। सामाजिक न्याय और वंचित वर्ग के विरुद्ध सरकारी दुष्चक्र बता पीछे के दरवाजे से चहेतों को एंट्री देने का आरोप भी लगा। चिराग पासवान ने तो खुलकर विरोध में अपना पक्ष रखा। 20 अगस्त को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने संघ लोकसेवा आयोग को चिट्ठी भेजकर विज्ञापन रद्द करने को कहा। इसे प्रधानमंत्री की नजर में समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित होना था, बताकर मामले का पटाक्षेप किया।

महज अगस्त माह में ही सरकार के चार मामलों में बैकफुट पर आने को राजनीतिक चश्मे से अलग–अलग देखा जा रहा है। लेकिन ऐसा भी नहीं कि पूर्ण बहुमत में रहते हुए मोदी सरकार ने कभी फैसले वापस न लिए हों। 2014 में सत्ता में आकर साल भर बाद 2015 में भूमि अधिग्रहण कानून पर पुर्नविचार की मांग को स्वीकारते हुए 6 विवादास्पद संशोधनों को वापस लिया था। 2021 में 3 कृषि कानून वापस लिए। 2022 में डाटा प्रोटैक्शन बिल वापस लिया जिस पर जे.पी.सी. ने बाद में 81 संशोधनों की सिफारिश की। हां, अब सरकार पहले की तरह कड़े और बड़े फैसले ले पाने में खुद को असहाय बताकर कौन–सा नया दाव खेल रही है यह तो नहीं पता। लेकिन सरकार के बार–बार बैकफुट पर आने की बड़ी वजह जरूर है।

शायद यह भावनात्मक मुद्दे में बदले? फिलहाल 3 राज्यों सहित उत्तर प्रदेश के उप–चुनावों के नतीजों का इंतजार लगता है। कहते हैं राजनीति में जो दिखता है वह होता नहीं और जो होता है वह दिखता नहीं! क्या मतदाताओं को मोदी–शाह की जोड़ी कोई बड़ा संदेश दे रही है? भाजपा को पूर्ण बहुमत न देकर बैसाखियों के सहारे बड़े और कड़े फैसले न ले पाने को मजबूरी के मायने से राजनीति में कहीं नई लहर पैदा करने के लिए शह और मात का दाव तो नहीं? इंतजार कीजिए राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं।

अमरीकी चुनाव और भारत

–श्याम सरन–

इस सप्ताह गुरुवार को कमला हैरिस को औपचारिक रूप से नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए डैमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार नियुक्त किया गया है। शिकागो में आयोजित डैमोक्रेटिक पार्टी कन्वैंशन हैरिस के उल्लेखनीय रूप से सफल अभियान की परिणति को चिह्नित करेगा, जो मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन के तहत एक विनम्र और पैदल चलने वाली राजनीतिक शख्सियत और ज्यादातर अदृश्य उप–राष्ट्रपति के रूप में उनकी छवि को तोड़ देगा। एक बार जब बाइडेन अपनी पार्टी में दौड़ से हटने के दबाव के आगे झुक गए तो डैमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उनका त्वरित और निर्विरोध समर्थन अप्रत्याशित था। उनके अभियान में नकदी की जो बाढ़ आनी शुरू हुई वह लगभग शानदार थी। हफ्तों तक बाइडेन प्रशासन के अंदरूनी सूत्रों ने इस बात पर जोर दिया था कि राष्ट्रपति को दूसरे कार्यकाल के लिए प्रयास करना होगा क्योंकि उनके स्थान पर अनुपस्थिति पसंद कमला हैरिस होंगी जो 'राष्ट्रपति पद के लिए तैयार नहीं' थीं और डोनाल्ड ट्रम्प को रोक नहीं सकती थीं।

चुनावों में आसान जीत से रिपब्लिकन उम्मीदवार और अब जनमत सर्वेक्षणों में वह ट्रम्प से आगे चल रही हैं। राजनीतिक गति उनके पक्ष में है। उन्होंने पूरे देश में एक अच्छा माहौल पैदा किया है और अभियान के लिए बचे 6 हफ्तों में किसी भी गंभीर गलत कदम को छोड़कर, वह अमरीका की पहली महिला राष्ट्रपति और मिश्रित नस्ल की राष्ट्रपति बन सकती हैं। वह पुरस्कार के इतने करीब पहुंच गई हैं, जो कभी–कभी भारी बाधाओं के बावजूद राजनीतिक नवीनीकरण के लिए उल्लेखनीय अमरीकी क्षमता का प्रमाण है। दुनिया के अधिकांश लोगों के लिए कमला हैरिस का अमरीकी राष्ट्रपति बनना एक बड़ी राहत की अनुभूति लेकर आएगा।

भारत में, किसी ने उम्मीद भी नहीं की होगी कि एक अमरीकी राजनीतिक नेता का उल्लेखनीय उदय, जो उतना ही भारतीय–अमरीकी है जितना कि वह अश्वेत अमरीकी है, अब तक प्रदर्शित होने की तुलना में कहीं अधिक रुचि और आत्मीयता की भावना पैदा करेगा। विदेशों में भारतीय मूल के लोगों की सफलता का जश्न मनाते हुए गर्व की अभिव्यक्तियां अवश्य सुनी जाती हैं। भारत में उनके पारिवारिक संबंधों और नए जीवन की तलाश में उनकी मां की अमरीका यात्रा पर कुछ कहानियां हैं। अमरीका में उनकी अपनी राजनीतिक यात्रा की कहानी में अधिक रुचि पैदा होनी चाहिए थी लेकिन ऐसा नहीं है। यह असामान्य है।

अगले साल जनवरी में जो भी प्रशासन कार्यभार संभालेगा, भारत को उससे निपटना होगा। ट्रम्प के नेतृत्व वाला रिपब्लिकन या हैरिस के नेतृत्व वाला डैमोक्रेटिक। अमरीका में दोस्तों से बात करते हुए, कभी–कभी सुनने को मिलता है कि डैमोक्रेट्स के बीच यह धारणा है कि वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की सरकार हैरिस के नेतृत्व वाले डैमोक्रेटिक प्रशासन के बजाय ट्रम्प प्रशासन को प्राथमिकता देगी यदि ट्रम्प राष्ट्रपति के लिए नियुक्त हो जाते हैं। यदि ऐसा है तो ऐसी किसी भी धारणा को दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह मददगार होगा अगर अगले महीने न्यूयॉर्क में भविष्य के लिए संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन के लिए अमरीका की अपनी आगामी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुश्री हैरिस से जुडने का अवसर तलाशें। पिछले एक दशक में भारत–अमरीका संबंधों ने अभूतपूर्व विस्तार और गहराई हासिल की है। हालांकि बंगलादेश जैसे विशिष्ट मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं। दोनों देशों के बीच समग्र रणनीतिक अभिसरण बरकरार है।

दोनों में से कोई नहीं चाहता कि ड्अहद–प्रशांत क्षेत्र पर चीन का प्रभुत्व हो। विकास के अपने वर्तमान चरण में, नागरिक और रक्षा दोनों क्षेत्रों में अत्याधुनिक अमरीकी प्रौद्योगिकी तक भारत की पहुंच महत्वपूर्ण है। अमरीका भारत के लिए एक प्रमुख बाजार बना हुआ है खासकर सेवा क्षेत्र में, और अमरीकी पूंजी प्रवाह भारत की विकास कहानी में एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है। वर्षों से, भारत को अमरीका में द्विदलीय समर्थन प्राप्त हुआ है और इस संपत्ति को बरकरार रखा जाना चाहिए और सभी राजनीतिक व नागरिक समाज की भागीदारी के माध्यम से पोषित किया जाना चाहिए। जैसा कि अतीत में होता रहा है, भारत की घरेलू राजनीति और सामाजिक मुद्दों पर आलोचनात्मक टिप्पणियां होंगी।

हमारी प्रतिक्रियाएं संयमित और मापी जानी चाहिएं। एक मुद्दा है जिससे दोनों पक्षों को सावधानीपूर्वक निपटने की आवश्यकता होगी। यह भारतीय सुरक्षा एजैंसियों से जुड़े होने के संदेह वाले व्यक्तियों द्वारा कनाडा और अमरीका में खालिस्तानी तत्वों की हत्या और हत्या के प्रयास के आरोपों से संबंधित है। अमरीकी न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने से इस मुद्दे से निपटना अब जटिल हो गया है। इसे उस सांझेदारी पर हावी होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए जो अनिश्चित और अप्रत्याशित दुनिया में भू–राजनीतिक आधार बन गई है।

तंत्र की अदूरदर्शी नीतियों से बाधित शोधकार्य और जीएसटी

–दिनेश सी. शर्मा–

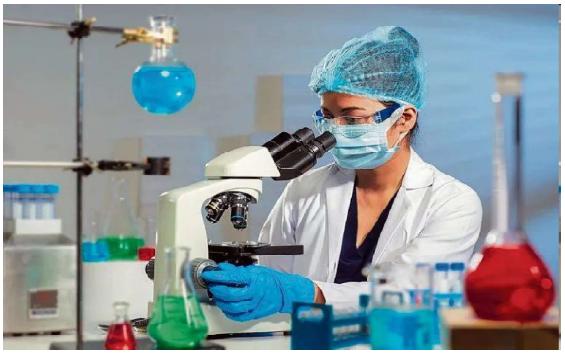

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (दिल्ली) (आईआईटी) और कुछ अन्य शीर्ष रैंकिंग प्राप्त अनुसंधान एवं शैक्षणिक संस्थानों को पिछले पांच वर्षों में मिली अनुसंधान राशि पर जीएसटी कर चुकाने का नोटिस मिला है। बताया गया है कि ब्याज और जुर्माने सहित अकेले आईआईटीडी की रकम 120 करोड़ रुपये बनती है। हालांकि, अकादमिक एवं वैज्ञानिक समुदाय ने इस मुद्दे पर खुलकर प्रतिक्रिया देने से गुरेज किया है, लेकिन उद्यमी और निवेशक टीवी मोहनदास पई ने इसको 'कर आतंकवाद का सबसे बुरा रूप' करार दिया है। ठीक एक महीने पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में लैब केमिकल्स पर सीमा शुल्क 10 फीसदी से बढ़ाकर 150 फीसदी कर दिया था। उच्च शुद्धता वाले एंजाइम, अभिकर्मक (रीजेंट्स) और रसायन अनुसंधान के लिए बहुत महत्वपूर्ण होते हैं और इन्हें आमतौर पर आयात करना पड़ता है। इस विचित्र कदम ने वैज्ञानिक समुदाय को सकते में डाल दिया क्योंकि इससे वर्तमान और भविष्य की परियोजनाओं की लागत रातो–रात बढ़ जाती है। हालांकि, मीडिया और सोशल मीडिया पर वैज्ञानिकों की नाराजगी की प्रतिक्रिया में यह भारी बढ़ोतरी वापस ले ली गई।

ये घटनाएं अलग–अलग नहीं हैं, जिन्हें नौकरशाही का अनाड़ीपन ठहराकर रफा–दफा किया जाए बल्कि ऐसी हरकतें जनता के पैसे से चल रहे अनुसंधान एवं उच्च शिक्षा को कमजोर करने वाली नीति का हिस्सा प्रतीत होती हैं। अनुसंधान फंडिंग पर यह टैक्स नोटिस, तकनीकी उपकरणों पर जीएसटी दर को 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 फीसदी किए जाने के कुछ साल बाद आया है। इससे वैज्ञानिक एवं तकनीकी उपकरण, अन्य मशीनें, सहायक औजार और उपभोग्य सामग्री की खरीद काफी महंगी बन गई।

वैज्ञानिक अनुसंधान पर संभावित प्रभावों से चिंतित, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय ने सरकार को एक प्रपत्र भेजा है, जिसमें कहा गया रू 'हो सकता है कि निजी संगठन टैक्स की दर में हुए परिवर्तन के प्रभावों को धीरे–धीरे पचा भी लें किंतु सार्वजनिक धन से चल रहे संस्थानों के लिए गुंजाइश कम है।' इस पर, वित्त मंत्रालय ने जीएसटी वृद्धि के वास्तविक प्रभाव को कम करने के वास्ते अतिरिक्त धन आवंटन का वादा करके लीपापोती और पीएसए को शांत करने का प्रयत्न किया। तथापि, सरकार ने स्थितियों में बदलाव के लिए कुछ नहीं किया, जैसा कि हालिया जीएसटी नोटिस और प्रयोगशाला रसायनों पर सीमा शुल्क वृद्धि (अब वापस ले ली गई) जैसे कृत्यों से जाहिर होता है।

अनुसंधान एवं नवाचार ऐसे वातावरण में पल्लवित हो सकते हैं जहां सरकार अनुसंधान के वास्ते पर्याप्त धन दे, संयुक्त उपक्रम को प्रोत्साहित और पोषित करे, अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के वास्ते उपयुक्त पारिस्थितिकी युक्त तंत्र (विनियमन, कराधान इत्यादि) का निर्माण करे। इन तमाम मोर्चों पर भारत का प्रदर्शन खराब रहा है।

अनुसंधान एवं विकास मद में भारत सरकार की फंडिंग बहुत कम है– सकल घरेलू उत्पाद के 1 प्रतिशत से भी कम। बहुप्रचारित 'अमेरिका रिसर्च फंडिंग एजेंसी' कही जाने वाली 'अनुसंधान राष्ट्रीय खोज फाउंडेशन' (एएनआरएफ), पिछले पांच वर्षों से निर्माणाधीन ही है। बजट भाषणों में सरकार ने नई एजेंसी के लिए पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपये 'धन मंजूर करने' का हवाला देते हुए बार–बार दावा किया है कि उसने अनुसंधान एवं विकास के लिए उपलब्धान में काफी वृद्धि की है। 'धन मंजूर करना' जुमला भर है क्योंकि इसमें यह स्पष्ट किया गया है कि सरकारी फंडिंग का अंश केवल 30 प्रतिशत होगा और शेष 70 फीसदी निजी क्षेत्र को अपने तौर पर जुटाना होगा। यदि ऐसा है, तब भारत सरकार का योगदान 3,000 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष से कम बैठता है जो कि विज्ञान क्षेत्र से संबंधित विभागों के मौजूदा बजट से काफी कम है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय को 2024–25 के लिए 16,628 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। एएनआरएफ की स्थापना अनुसंधान एवं विकास का बोझ निजी क्षेत्र पर स्थानांतरित करने का एक स्पष्ट कदम है, लेकिन ऊपरी तौर यह दिखाई नहीं देता।

फंड की कमी के साथ–साथ वैज्ञानिक बिरादरी को लाल फीताशाही का सामना करना पड़ता है, जिसमें शोधकर्ताओं को फंड प्राप्ति, कराधान संबंधी जरूरी प्रक्रिया से निपटना, छात्रवृत्ति और फेलोशिप भत्ते के वितरण में देरी और 'मेक इन इंडिया' नियमावली के अनुसार उपकरणों की खरीद जैसी अनिवार्य शर्तों को पूरा करने में जूझना पड़ता है। इस बारे में आईआईटी–कानपुर के एक वैज्ञानिक ने एक्स नामक सोशल मीडिया पर कमेंट किया, 'यदि आपका सारा समय अन्य कार्यों में खपने वाला है तब आप अनुसंधान पर ध्यान कैसे केंद्रित कर पाएंगे?' फिर अनुसंधान को प्रभावित करने वाले अन्य कारक भी हैं, मसलन, ऐसे वक्त में जब महत्वपूर्ण क्षेत्र में अनुसंधान मिलकर किया जा रहा हो, वैज्ञानिकों की अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के वास्ते फंड पर अंकुश लगा दिया गया है।

पिछले साल, फाउंडेशन फॉर एडवांसिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एफएएसटी) ने 'इंज ऑफ डूइंग साइंस (ईओडीएस)' –जो कि 2015 में दिए अपने भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गढ़ा गया नामकरण हैद्ध इसके स्तर को मापने के लिए 10 शीर्ष रैंकिंग संस्थानों के शोधकर्ताओं का सर्वेक्षण किया गया। केवल 6 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ईओडीएस के किसी भी पैमाने को 'बहुत अच्छा' दर्जा दिया। अनुसंधान के लिए धन जारी करने वाली एजेंसियों से पावती में आसानी के मामले में इसे 'औसत से कम' का दर्जा मिला। अनुसंधान अनुदान के उपयोग की शर्त में आसानी, अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए धन मुहैया करवाने के अलावा उपकरणों और संसाधनों की उपलब्धता के विषय में सबसे कम रेटिंग मिली, जबकि समय पर अनुदान प्राप्ति और आवंटन मंजूरी के मामले में रेटिंग औसत के करीब आंकी गई। सर्वेक्षण में पाया गया कि कुल मिलाकर, फंडिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी थी। 'फास्ट' नामक अध्ययन के अनुसार, फंडिंग एजेंसियां अक्सर भारत में न तो प्रायोगिक अनुसंधान की जमीनी हकीकतों से वाकिफ हैं, न ही इनको पूरी तरह समझ पाती हैं।

एक अच्छे अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र का पर्याय है सम्मान, ईनाम और नकद प्रोत्साहन के जरिए व्यक्तिगत एवं संस्थान स्तर की उत्कृष्टता को मान्यता देना। प्रख्यात वैज्ञानिक शांतिस्वरूप भटनागर के नाम पर दिए जाने वाले शीर्ष राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार की जगह अब नकद राशि बगैर एक गैर–प्रभावशाली एवं चलताऊ 'विज्ञान पुरस्कार' बना दिया गया है। 2022 में पिछले विज्ञान पुरस्कारों को बंद करते समय, सरकार ने दावा किया कि नया शीर्ष पुरस्कारदृ 'विज्ञान रत्न'दृ नोबेल पुरस्कार की तर्ज पर' होगा। पिछले सप्ताह प्रथम 'विज्ञान रत्न' की घोषणा की गई, लेकिन इसमें नकद राशि का जिक्र नदारद है, तब इसको 'नोबेल जैसा' होने के बारे में भूल जाएं। दिलचस्प बात यह है कि कुछ राज्य स्तरीय पुरस्कार जैसे कि उत्तर प्रदेश और हरियाणा द्वारा दिए जाने वाले 'विज्ञान गौरव' और 'विज्ञान रत्न' (ये इसी नाम वाले राष्ट्रीय पुरस्कार से पुराने हैं) में प्रत्येक की पुरस्कार राशि 5 लाख रुपये है।

जहां इज ऑफ डूइंग साइंस सूचकांक में भारत खराब प्रदर्शन से जूझ रहा है, वहीं चीन तेजी से बढ़ रहा है। भारत द्वारा अनुसंधान एवं विकास मद पर जीडीपी के 0.66 प्रतिशत खर्च की तुलना में, चीन अपने अनुसंधान एवं विकास पर सकल घरेलू उत्पाद का 2.4 प्रतिशत खर्च कर रहा है। जैसा कि आईआईटीडी के पूर्व निदेशक वी. रामगोपाल राव ने हाल ही में कहा, 'केवल दो चीनी विश्वविद्यालयों का बजट हमारे संपूर्ण शिक्षा बजट से अधिक है।' अपने विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों को धन, सुविधाओं एवं मानवबल से महरूम करके, भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा नहीं पाल सकता।–लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के माहिर हैं।

यूक्रेन में मोदी

–नीरज कुमार दुबे–

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यूक्रेन दौरा कई मायनों में अहम रहा। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यूक्रेन यात्रा भर नहीं थी बल्कि मोदी से पहले शायद ही किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने किसी युद्धग्रस्त देश की यात्रा की होगी। यही नहीं, मोदी ही पहले ऐसे भारतीय प्रधानमंत्री भी हैं जिन्होंने दो देशों के बीच चल रहे युद्ध को शांत करवाने के लिए बढ़–चढ़कर प्रयास किये हों। इसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की शानदार मिसाल नहीं तो और क्या कहेंगे कि मोदी एक तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मित्रता निभा रहे हैं तो दूसरी ओर युद्ध से त्रस्त और पस्त यूक्रेन को मानवीय मदद भी मुहैया करा रहे हैं। यही नहीं, आप दुनिया के किसी भी देश को देख लीजिये या तो वह यूक्रेन के साथ है या रूस के। लेकिन मोदी के नेतृत्व वाला भारत दोनों देशों के साथ खड़ा है। मोदी से पहले दुनिया के बड़े–बड़े राष्ट्राध्यक्षों ने भले युद्धग्रस्त यूक्रेन का दौरा किया हो लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री पहले ऐसे विश्व नेता बन गये हैं जो युद्ध के बीच रूस और यूक्रेन, दोनों जगह हो आये हैं और दोनों ही जगह उन्होंने शांति का संदेश दिया है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन यात्रा पर दुनिया भर की निगाहें रहीं। खास बात यह रही कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस बात के निर्देश दे रखे थे कि जब तक मोदी यूक्रेन में हैं तब तक वहां कोई हमला नहीं किया जाये। इसके चलते आज यूक्रेन में दिन भर कहीं भी सायरन की आवाज नहीं सुनाई दी बल्कि अमन और चौन नजर आ रहा था जिसके चलते यूक्रेनी जनता खुश नजर आ रही थी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि जब रूस–यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था तब प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर ही युद्ध को कुछ समय के लिए रोका गया था ताकि भारतीय छात्र और नागरिक सुरक्षित रूप से वहां से निकल सकें।

आज जब गांधी और महात्मा बुद्ध की धरती के प्रधानमंत्री युद्धग्रस्त देश पहुँचे तो अमन का पैगाम लेकर गये। उनके स्वागत को आतुर हर व्यक्ति यही उम्मीद कर रहा था कि मोदी ही रूस को समझा सकते हैं और इस क्षेत्र में स्थायी शांति ला सकते हैं। खुद राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की जिस बेसब्री के साथ मोदी का इंतजार कर रहे थे और जिस तरह रूस के द्वारा दिये गये जख्मों को मोदी को दिखा रहे थे उससे साफ प्रकट हो रहा था कि जेलेंस्की की आखिरी उम्मीद भी मोदी ही हैं। जेलेंस्की के कंधे पर हाथ रखे मोदी जब यूक्रेन में तबाही का मंजर देख कर भावुक हुए तो यूक्रेनवासियों को भी लगा कि हमारे दर्द को समझने वाला कोई विश्व नेता आ गया है।

वैसे राजनीतिक हलकों में प्रधानमंत्री की कीव यात्रा को कूटनीतिक संतुलन के तौर पर भी देखा जा रहा है, क्योंकि उनकी रूस यात्रा से पश्चिमी देशों में नाराजगी पैदा हो गई थी। उल्लेखनीय है कि कीव की यात्रा से लगभग छह सप्ताह पहले मोदी ने रूस की यात्रा की थी, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संघर्ष समाप्ति के मुद्दे पर गहन विचार–विमर्श किया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बैठक को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बहुत अच्छी बताया। उन्होंने कहा, श्यह एक ऐतिहासिक बैठक है। मैं प्रधानमंत्री के आने के लिए उनका बहुत आभारी हूं। कुछ व्यवहारिक कदमों के साथ यह एक अच्छी शुरुआत है। अगर उनके (पीएम मोदी) के पास (शांति पर) कोई विचार है तो हम इस पर बात करके खुश होंगे, लेकिन हम किसी भी प्रस्ताव पर अपने क्षेत्र नहीं बदलेंगे। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी पुतिन से ज्यादा शांति चाहते हैं। समस्या यह है कि पुतिन नहीं चाहते। मुझे नहीं पता कि जब उन्होंने बैठक की तो उन्होंने क्या कहा। अगर प्रधानमंत्री की आधिकारिक यात्रा के दौरान आप अस्पताल में बच्चों पर हमला करते हैं तो, उन्हें यह पहचानना होगा कि वे (रूसी राष्ट्रपति) भारत का सम्मान नहीं करते हैं या अपनी सेना को नियंत्रित नहीं करते हैं। इसका मतलब है कि वे भारतीय प्रधानमंत्री का सम्मान नहीं करते हैं। इसलिए, मेरे लिए, वे बहुत स्पष्ट हैं। वे अपने रूसी टीवी शो जितने स्मार्ट नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध में भारत शांति के लिए दृढ़ता से खड़ा है।

सात केन्द्रों पर दूसरे दिन 2849 रहे उपस्थित, 3007 ने छोड़ी परीक्षा

संवाददाता–बलरामपुर। जिलाधिकारी की निगरानी में पुलिस भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन दोनों पाली में 2849 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी है। वहीं 3007 परीक्षार्थियों ने इस परीक्षा से मुंह मोड़ लिया। सभी सात केंद्रों पर शांतिपूर्ण व नकल विहीन परीक्षा संपन्न होने की बात कही गई है।

जिले में भारी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के बीच सात केंद्रों पर पुलिस भर्ती परीक्षा कराई जा रही है। परीक्षा के दूसरे दिन प्रथम पाली में 1395 परीक्षार्थी शामिल हुए वहीं 1533 छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी। द्वितीय पाली में 1454 अभ्यर्थी ने परीक्षा दी, 1474 अनुपस्थित रहे। दूसरे दिन की दोनों पाली में कुल 5856 अभ्यर्थियों में से 2849 ने परीक्षा दी है, इसमें 3007 छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी। यह परीक्षाएं सात केंद्रों पर संचालित हो रही हैं। इनमें मुख्य रूप से एमपीपी इंटर कॉलेज, डीएवी इंटर कॉलेज, भगवती आदर्श इंटर कॉलेज भगवतीगंज, बलरामपुर बालिका इंटर कॉलेज, एमडीके बालिका इंटर कॉलेज, एमएलके पीजी कॉलेज व एमएलके पीजी कॉलेज कॉमर्स संकाय में पुलिस भर्ती परीक्षा चल रही है। दो दिनों की परीक्षा जिले में शांतिपूर्ण एवं नकल विहीन संपन्न होने की बात जिला प्रशासन ने कही है। पुलिस भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन जिलाधिकारी पवन कुमार अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक विकास कुमार एवं परीक्षा नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव ने कई केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। एमपीपी इंटर कालेज, डीएवी इंटर कॉलेज एवं एमएलके पीजी कॉलेज के दोनों केंद्रों सहित अन्य केंद्र पर शांतिपूर्ण माहौल में परीक्षा आयोजित होना पाया। प्रत्येक केंद्र पर केंद्र अध्यक्ष के साथ एक पुलिस प्रभारी, सेक्टर मजिस्ट्रेट व स्टैटिक्स मजिस्ट्रेट मुस्तैद रहे।

पवन अग्रवाल, जिलाधिकारी बलरामपुरने कहा कि जिले में सात केंद्र पर भारी पुलिस व्यवस्था की सख्त निगरानी में पुलिस भर्ती परीक्षा दूसरे दिन शांतिपूर्ण संपन्न हुई है। परीक्षा में अफवाह फैलाने वालों पर जिला प्रशासन सख्त निगरानी रखे हुए है। साथ ही सर्विलेंस टीम लगी हुई है। कंट्रोल रूम से सीधे परीक्षा कक्षाओं की सख्त निगरानी की जा रही है। नम्रिता श्रीवास्तव अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले के सात केन्द्रों पर भारी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के साथ–साथ सीसीटीवी की निगरानी में पुलिस भर्ती परीक्षा दूसरे दिन भी शांतिपूर्ण व नकल विहीन संपन्न हुई। परीक्षा की निगरानी में सर्विलांस टीम के साथ ट्रैफिक पुलिस विभाग व शिक्षा विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारी नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराने में जुटे हुए हैं। दूसरे दिन की परीक्षा में 2849 छात्र शामिल हुए हैं जबकि 3007 छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी है।

दवा की 156 प्रोडक्ट्स के बिक्री पर लगाई गई रोक

संवाददाता–गोण्डा। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग ने दवाओं के 156 प्रोडक्ट्स पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। ड्रग इंस्पेक्टर रजिया बानो ने बिकने से रोकी गई दवाओं की लिस्ट केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एशोसिएशन के अध्यक्ष को उपलब्ध करा दी है और इन दवाओं के बाजार में बिक्री न होने देने का निर्देश दिया है। बताया जाता है कि केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति और औषधि सलाहकार बोर्ड ने दवाओं का परीक्षण कर रिपोर्ट केन्द्र सरकार को भेजी गई। रिपोर्ट में कहा गया कि एफडीसी की जांच में 156 दवाओ में अंतर्विष्ट अवयवों का कोई चिकित्सीय औचित्य नहीं है। इसके उपयोग से मनुष्य में खतरा बढ़ जाता है। केन्द्र सरकार को भेजी गई रिपोर्ट के बाद स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में प्रतिबंधित दवा की 156 प्रोडक्ट के उत्पादन और बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई। प्रतिबंधित दवाओं पर रोक की सूचना मिलने पर जिले भर के मेडिकल स्टोर में हड़कंप मच हुआ है। सभी मेडिकल स्टोर संचालक एक दूसरे से प्रतिबंधित दवाओ की बिक्री पर रोक की जानकारी लेने में जुटे हुए हैं। जिला औषधि निरीक्षक रजिया बानो ने बताया भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में करीब 156 दवाओं के उत्पादन और बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी है। जिसमे सर्दी, जुकाम, बुखार, एंटी एलर्जी, एलोवेरा जेल, आंख की दवा, लीवर, गैस, नारकोटिक्स, घाव भरने की दवा, सौन्दर्य प्रसाधन के साथ अन्य दवाएं भी शामिल हैं। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया अधिसूचना जारी होने के बाद जिले के सभी मेडिकल स्टोर संचालक अपने यहां प्रतिबंधित दवाओं का स्टॉक सम्बन्धित फर्म को वापस कर उसकी सूचना लिखित रूप में कार्यालय में भी देंगे। इसके जद में कास्मेटिक दुकान और ब्यूटी पार्लर चला रहे संचालकों पर भी लागू होता है। जिले में प्रतिबंधित दवाओं का भंडारण या बिक्री पाई जाती है तो तत्काल संबंधित मेडिकल स्टोर, कास्मेटिक दुकान और ब्यूटी पार्लर के संचालक के खिलाफ औषधि एवं सौन्दर्य प्रसाधन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा। ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि प्रोटीज, बीटा, ग्लूकोनेज, सेल्यूलेज, लाइपेज, ब्रोमेलेन, जाइलेनेज, हेमिक्ल्यूलेज, माल्ट डायस्टेज, इनवर्टेज, पपेन, एमाइलेज, पेक्टिनेज, अल्फा गैलेक्टोसीडेज, एंटीमनी पोटेशियम ट्राटेट, फेरस सल्फेट सहित अन्य प्रतिबंधित दवाएं शामिल हैं।

बाइक से घर लौट रहे दंपति को ट्रक ने कुचला, पत्नी की मौत

संवाददाता–कुशीनगर। हाटा कोतवाली के सुकरौली नगर पंचायत के नेहरू इंटरमीडिएट कालेज के सामने फोरलेन पर शनिवार को गोरखपुर से दवा कराकर घर लौट रहे बाइक सवार दम्पति को पीछे से आ रहे ट्रक ने कुचल दिया। इस हादसे में पत्नी की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पति इस घटना में बाल–बाल बचा। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के नान्हू मुन्डेरा निवासी राजकुमार शनिवार को अपनी पत्नी उर्मिला (35) का गोरखपुर से इलाज कराकर घर लौट रहा था। अभी वे हाटा कोतवाली के सुकरौली कस्बे के नेहरू इंटरमीडिएट कालेज सेमरी के सामने फोरलेन के पास पहुंचे थे कि पीछे से आ रही बस ने ठोकर मार दी, जिससे बाइक पर बैठी उर्मिला देवी नीचे गिर गई। इसी बीच ट्रक ने महिला को कुचल दिया। महिला का सिर बुरी तरह से कुचल गया और उसकी मौत हो गई। पति बाल–बाल बचा। चौकी प्रभारी नागेन्दर चौहान शव पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया। ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है।

ग्राहकों के खाते से उड़ाए बीस लाख, कैशियर पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता–देवरिया। बंधन बैंक पथरदेवा के कैशियर ने जालसाजी कर ग्राहकों के खाते से 20.23 लाख रुपए उड़ा दिए। शाखा प्रबंधक की शिकायत पर पुलिस ने कैशियर के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। महाराजगंज जिले के थाना क्षेत्र पनियरा के ग्राम पंचायत जरदी के रहने वाले अभिषेक कुमार पथरदेवा कस्बा स्थित बंधन बैंक में कैशियर के पद पर तैनात था। आरोप है कि इस दौरान उसने 41 ग्राहकों के खातों से धोखाधड़ी कर 20.23 लाख रुपए निकाल लिए। 28 अप्रैल को आरोपी पैसे लेकर फरार हो गया। उसके बाद बैंक से कैशियर को निलंबित कर दिया गया। मामले में बैंक के शाखा प्रबंधक अरविंद कुमार सिंह ने तरकुलवा थाने में तहरीर दी। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 406 व 420 के तहत केस दर्ज किया है। थाना प्रभारी मृत्युंजय राय ने बताया कि मामले में धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया गया है। विवेचना की जा रही है।

मांगों को लेकर चौकीदार लामबंद, किया प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। ग्राम पंचायतों में लोगों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नियुक्त चौकीदार अपनी मांगों को लेकर लामबंद हो गए हैं। उत्तर प्रदेश ग्राम पहरी यूनियन के बैनर तले जिले भर के चौकीदारों ने अपनी 6 सूत्रीय मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंपकर कार्रवाई की मांग की। इसमें स्थायी करने व मानदेय बढ़ाने की मांग प्रमुख रूप से शामिल रही। जिलाध्यक्ष बाले खां ने कहा कि ग्राम प्रहरी (चौकीदार) वर्ष 1876 से कार्यरत हैं। ग्राम प्रहरी ग्राम पंचायतों में 24 घंटे पहरेदारी का कार्य करते हैं। वर्षों का समय गुजर गया, पर आज तक स्थायी नहीं किया गया है। मानदेय के नाम पर महज 2500 रुपये दिया जाता है। जबकि बिहार प्रान्त में चौकीदार चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी है और हरियाणा में 11,200 रुपये मानदेय व वर्दी के लिये 4000 रुपये दिया जाता है। वहीं गुजरात में अनुसूचित आयोग द्वारा चौकीदारों को चतुर्थ श्रेणी मान लिया गया है। जबकि उत्तर प्रदेश के चौकीदार मामूली मानदेय पर वर्षों से काम करने को मजबूर हैं। ज्ञापन में चौकीदार पद को चतुर्थ श्रेणी का कर्मचारी घोषित होने की प्रकिया पूरी होने तक मानदेय 2500 से बढ़ाकर न्यूनतम 21,000 करने, 10 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा आदि मांगों को शामिल किया गया है। इस अवसर रवि कुमार कन्नौजिया, रामप्यारे कन्नौजिया, जमाल अहमद, अनिरुद्ध, इंद्रजीत, इंदर, राधेश्याम, अंगद, रामनयन, सुनील आदि चौकीदार मौजूद रहे।

महाविद्यालय में फाइलेरिया दवा का किया वितरण

संवाददाता–गोंडा। शहर के स्टेशन रोड पर स्थित सरस्वती देवी नारी ज्ञानस्थली पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे कालेज के कर्मचारियों और छात्राओं को फाइलेरिया एवं आंत संबंधी बीमारियों से बचने के लिए दवाओं का वितरण किया। शिविर में रंजना बंधु, डॉ. नीलम छाबड़ा, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, डा. अमिता श्रीवास्तव, डा. आशु त्रिपाठी, गीता श्रीवास्तव, डॉ. मौसमी सिंह, डॉ. नीतू सिंह, विजय प्रकाश श्रीवास्तव, कंचन लता पांडे सहित अन्य को दवाओं का वितरण करके जानकारी दी गई। इस दौरान स्वास्थ विभाग से धीरेंद्र प्रताप सिंह, विष्णु प्रजापति, किशोर कुमार, बृजभान, गुड्डू सहित अन्य मौजूद रहे।

जन्म प्रमाणपत्र के जिला अस्पताल का चक्कर काट रहे लोग

संवाददाता–श्रावस्ती। जिला अस्पताल की व्यवस्थाएं सुधरने का नाम नहीं ले रही है। जन्म प्रमाण पत्र के लिए लोग जिला अस्पताल का चक्कर काट रहे हैं। लेकिन लोगों को समय से उनके बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रहा है। संयुक्त जिला अस्पताल भिनगा अपनी अव्यवस्थाओं को लेकर सुर्खियों में बना रहता है। चाहे वह ओपीडी में समय से चिकित्सकों का न बैठना हो या फिर जन्म प्रमाण पत्र जारी करने का मामला हो। जिला अस्पताल में जन्में बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र नहीं से जारी किया जाता है। लेकिन आवेदन के बाद भी जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते कोई दो माहीने से तो कोई तीन महीनों से जन्म प्रमाण पत्र के लिए जिला अस्पताल का चक्कर काट रहा है। जब भी लोग जन्म प्रमाण पत्र लेने जिला अस्पताल पहुंचते हैं तो उन्हें हर रोज नये बहाने बताकर वापस कर दिया जाता है। शनिवार को जन्म प्रमाण पत्र शाखा काउंटर पर कई लोग मौजूद रहे जो अपने बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र लेने पहुंचे थे। काउंटर पर खड़े लक्ष्मनपुर निवासी अनवर ने बताया कि जन्म प्रमाण पत्र के लिए वह दो महीने से अस्पताल का चक्कर काट रहे हैं। आवेदन फार्म व शपथ पत्र भी जमा कर दिया था।

सीएमओ के विरोध में शक्तिपीठ महंत से मिले अधिकारी व कर्मी

संवाददाता–बलरामपुर। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी के खिलाफ मुखर विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों ने शनिवार को शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर तुलसीपुर महंत मिथलेश नाथ योगी से मुलाकात की। कर्मियों ने पीठाधीश्वर को शिकायती पत्र सौंपकर अपनी व्यथा सुनाई। जिस पर महंत श्री योगी ने कहा कि उनकी शिकायतों को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया जाएगा।

पिछले 16 अगस्त से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सीएमओ डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी पर गंभीर आरोप लगाकर आंदोलनरत हैं। शनिवार को दो अपर सीएमओ के नेतृत्व में कर्मी शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर पहुंचे। जहां पर महंत मिथलेश नाथ योगी से मुलाकत कर उन्हें पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। अपर सीएमओ डॉ बीपी सिंह ने कहा कि सीएमओ के साथ काम करना अब मुश्किल हो गया है। वह अपने से वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ अमर्यादित व्यवहार करते हैं। कहा कि सीएमओ के गलत कार्यशैली के कारण राज्य मानक में जनपद की रैंकिंग काफी कम हो गई है। अपर सीएमओ डॉ संतोष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सीएमओ भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों पर दबाव बनाकर काम कराते हैं। रात में 12–12 बजे तक अपने आवास पर कर्मचारियों को बेवजह बैठाए रहते हैं। सभी स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति धीमी होती जा रही है। सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर दवाओं एवं लॉजिस्टिक के साथ–साथ अन्य प्रपत्र उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। टेंडर प्रक्रिया में भी सीएमओ मनमानी कर रहे है। अधिकारियों व कर्मियों ने शक्तिपीठ के महंत से इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए न्यायोचित कार्रवाई की मांग की है। महंत से मुलाकात के दौरान चीफ फार्मासिस्ट केके माल्वीय, अखिलेश कुमार सिंह, लिपिक दिलीप मौर्या, मोहन लाल, राजेश हंस सहित एक दर्जन से अधिक विभागीय कर्मी मौजूद थे।

कस्तूरबा स्कूल में मनाया गया पहला अंतरिक्ष दिवस

संवाददाता–श्रावस्ती। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सिरसिया में चंद्रयान तीन की सफलता के पर्व के रूप में पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। इस मौके पर अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रति बच्चों में जागरूकता के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान छात्राओं की ओर से पोस्टर बनाकर प्रदर्शन किया गया।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सिरसिया के बलिकाओं की ओर से चार्ट पेपर के मध्यायम से संदेश दिया। पिछले साल 23 अगस्त के दिन ही भारत ने इतिहास रचा था। विद्यालय की अध्यापिका भावना पांडेय ने कहा कि इसी दिन भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बना था। भारत के इस उपलब्धि की दुनिया में चर्चा हो रही। इसरो ने सुरक्षित रूप से चंद्रयान–तीन को चंद्रमा की सतह पर उतारा था। वहीं वार्डन शशि किरन सिंह ने कहा कि इस मिशन के उद्देश्यों में चंद्र सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग करना, रोवर को चंद्रमा पर भ्रमण कराना और सतह पर वैज्ञानिक प्रयोग करना शामिल था। इसके अनुरूप मिशन ने सतह पर कई परीक्षण किए जो हमारी वैज्ञानिक क्षमता के विकास में सहायक रहे है। इसके अलावा भविष्य में होने वाले चंद्र मिशनों को भी काफी मदद मिलेगी।

जेल पहुंचे डीएम–एसपी, बैरक सहित परिसर का किया निरीक्षण

संवाददाता–महराजगंज। डीएम अनुनय झा व एसपी सोमेन्द्र मीना ने शनिवार को जिला जेल का निरीक्षण किया। बैरक सहित परिसर का निरीक्षण किया। बंदियों के सामानों की तलाशी ली गई। इस दौरान कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। दोनों आला अधिकारियों ने जेल निरीक्षण के दौरान सामान्य बैरक, अल्प वयस्क बैरक, पाकशाला व जेल परिसर की साफ–सफाई आदि का निरीक्षण किया। डीएम ने बंदियों से वार्ता कर उनकी समस्यायों को सुना तथा उनके निस्तारण के लिए जेल अधीक्षक को आवश्यक निर्देश दिया। डीएम ने नगर पालिका के माध्यम से नियमित तौर पर फॉगिंग और एंटी लार्वा के छिड़काव का निर्देश भी दिया। निरीक्षण के दौरान बंदियों के सामानों की जांच भी की गई। डीएम ने जेल की व्यवस्था और साफ–सफाई पर संतोष जताया।

निरीक्षण के दौरान जेल में 774 बंदी निरुद्ध मिले। इनमे 55 महिला और 719 पुरुष बंदी हैं। जेल में 13 विदेशी बंदी भी निरुद्ध हैं। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक प्रभात सिंह, जिला सूचना अधिकारी प्रभाकर मणि त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हर बूथ पर कम से कम 200 नए सदस्य बनाना जरूरी- संजय राय

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी की ओर से सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए शनिवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रभारी अवध क्षेत्र संजय राय रहे।

कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि के साथ ही विशिष्ट अतिथि सदस्य विधान परिषद पदमसेन चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा तथा विधायक श्रावस्ती राम फेरन पाण्डेय ने दीप जला कर किया।

पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए संजय राय ने कहा कि सदस्यता अभियान कार्यकर्ताओं के लिए उत्सव के समान है। संगठन की सदस्यता संगठन की आत्मा है। सभी को मिल कर नए सदस्य बनाने के लिए बूथ स्तर पर जाकर नए सदस्य बनाने हैं। हमे हर बूथ पर 200 नये सदस्य बनाने का लक्ष्य रखना है। उन्होंने कहा कि नए सदस्य बनाने के लिए 8800002024 पर मिस काल कराया जाय। उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति चार प्रकार से सदस्यता ग्रहण कर सकता है, मिस्ड कॉल से, वेबसाइट पर जाकर, नमो एप्प से और फार्म भरकर। समाज के सभी वर्गों में बूथ स्तर तक घर घर जाकर सदस्यता अभियान को सर्वस्पर्शी, सर्वव्यापी और सर्वग्राही बनाना है क्योंकि सशक्त समाज का निर्माण ही भाजपा की पहचान है। प्रोजेक्टर के माध्यम से पीपीटी के द्वारा कार्यकर्ताओं को सदस्य बनाने की प्रक्रिया से परिचित कराया गया। कार्यशाला का संचालन अभियान के जिला संयोजक जिला महामंत्री दिवाकर शुक्ला ने किया। कार्यशाला में पूर्व जिलाध्यक्ष जगदंबिका वर्मा, संजय कैराती पटेल, महेश मिश्रा ओम, पुरुषोत्तम कौशल, रमन सिंह, पूजा पाण्डेय, गीता गुप्ता, सरिता सिंह, माधुरी सिंह त्रिपाठी, दिनेश सिंह, दिनेश आर्य, अरुण पाण्डेय, जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी, नेकराम पाण्डेय, अभिषेक पाण्डेय सहित सभी ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य, पदाधिकारी, मण्डल अध्यक्ष, मोर्चों के अध्यक्ष तथा भारी संख्या में अभियान आए जुड़े कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोहल्ला वासियों की शिकायत के बावजूद विभाग नहीं दे रहा ध्यान

संवाददाता–बलरामपुर। स्थानीय नगर क्षेत्र में खुले में रखे ट्रांसफार्मर लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। नगर में लगभग आधा दर्जन स्थानों पर खुले में ट्रांसफार्मर रखे हुए हैं। स्थानीय लोगों ने समस्या को लेकर कई बार विभागीय जिम्मेदारों से शिकायत की लेकिन विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा। लोगों का आरोप है कि विभाग ने खुले में ट्रांसफर्मर रखवा दिया, लेकिन उसके चारों ओर न तो कोई जाली लगी है और ही सुरक्षा के कोई इंतजाम किए गए हैं। ऐसे में यह ट्रांसफार्मर कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। वहीं बिजली विभाग बजट का रोना रोकर अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहा है। हनुमानगढ़ी चौराहे पर ट्रांसफार्मर खुले में रखा हुआ है। इसी के अगल–बगल घनी आबादी भी है। दवा व्यवसायी अनूप गुप्ता का कहना है कि इस ट्रांसफार्मर से आए दिन चिंगारियां निकलती रहती हैं और केबल में आग लग जाती है। लपटे उठने से लोग अपनी दुकानें छोड़कर भागने को मजबूर हो जाते हैं। आपूर्ति बंद होने के बाद ही आग बुझ पाती है। जिसके चलते घंटों बिजली आपूर्ति भी बाधित रहती है। यह प्रक्रिया महीने में दो से तीन बार घटती ही रहती है।

हनुमानगढ़ी वार्ड के पुरवा मुहल्ले में लगा ट्रांसफार्मर झाड़ियों से घिरा हुआ है। यहां पर बमुश्किल ट्रांसफार्मर दिखाई देता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां आए दिन झाड़ियों के टकराने से ट्रांसफार्मर में आग लग जाती है। जिसके चलते घंटों तक आपूर्ति बाधित हो जाती है। शिकायत के कई घंटे बाद जब बिजली कर्मी इसे सही करने आता है तब जाकर आपूर्ति बहाल हो पाती है। मंडी समिति के गेट हर्रैया तिराहे पर ट्रांसफार्मर खुले स्थान पर रखा हुआ है। इसके चारों तरफ सुरक्षा जाली न होने से राहगीरों को करंट लगने की आशंका बनी रहती है। कई बार इसकी चपेट में आवारा कुत्ते और निराश्रित मवेशी आ चुके हैं। स्थानीय निवासी गणेश जायसवाल का कहना है कि मुख्य मार्ग के बगल में खुले में रखे ट्रांसफार्मर से हमेशा खतरे का भय बना रहता है।

जनपदीय ड्रग वेयर हाउस के सामने सार्वजनिक शौचालय के बगल में झाड़ियों से घिरे खुले में रखा ट्रांसफार्मर मुहल्ला वासियों के लिए किसी मुसीबत से कम नहीं है। बिजली विभाग झाड़ियों की साफ–सफाई महज कागजों में ही करा रहा है। तेज हवा चलने पर झाड़ियों में आग लग जाती है, जिसको लेकर लोगों में हमेशा भय बना रहता है। ट्रांसफार्मर के चारों ओर जाली का घेराव तक नहीं कराया गया है। सुरक्षा कवच न होने से कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है।

यह सभी तो मात्र बानगी भर हैं। नगर क्षेत्र में करीब 14 ट्रांसफार्मर मुख्य मार्ग के किनारे खुले में रखे हुए हैं। सुरक्षा जाली न होने के कारण निराश्रित मवेशी आए दिन उसकी चपेट में आते रहते हैं। मोहल्ला वासियों की शिकायत के बावजूद बिजली विभाग सुरक्षा जाली लगावने के लिए कोई पहल नहीं कर रहा है। इससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इस सम्बन्ध में उप खंडीय अधिकारी राम सेवक गुप्त ने बताया कि ट्रांसफार्मरों का सुरक्षा घेरा बनाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। जल्दी ही सभी ट्रांसफार्मर के चारों ओर जाली लगवाकर उसे घेर दिया जाएगा।

शार्ट सर्किट से दुकानों में लगी आग, लाखों का सामान जलकर खाक

संवाददाता–बहराइच। शहर के स्टेशन पर स्थित दुकानों में शनिवार सुबह शार्ट सर्किट से आग लग गई। इसके बाद आग ने पड़ोस के अन्य दुकानों को चपेट मे ले लिया। आसपास मौजूद लोगों ने आग की ऊंची ऊंची लपेट देखी तो दुकान मालिकों के साथ ही दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने दो से तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। शहर के दरगाह थाना क्षेत्र में रेलवे स्टेशन स्थित है। रेलवे स्टेशन परिसर में कोने पर विभिन्न दुकानें संचालित होती हैं। शनिवार सुबह चार बजे के आसपास शार्ट सर्किट से भुट्टू के किराना की दुकान में आग लग गई। आग ने विकराल रूप ले लिया। इसके बाद आग ने पड़ोसी अन्य की दुकानों को चपेट में ले लिया। सुबह पांच बजे आसपास के लोगों ने अग्निशमन विभाग को आग लगने की सूचना दी। दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक तीन दुकान पूरी तरह जलकर राख हो गए।

बिना दवा के कई बीमारियों से निजात दिलाती है फिजियोथेरेपी

संवाददाता–महराजगंज। केएमसी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के सभागार में कार्यशाला आयोजित हुई। पूर्वांचल फिजियोथैरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन की तरफ से आयोजित कार्यशाला में मेडिकल विद्यार्थियो को फिजियोथेरेपी के विकास, महत्व व उसकी उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। फिजियोथेरेपी विभाग के डॉ. धनंजय कुशवाहा को संगठन का जिला संयुक्त सचिव, डॉ. जितेंद्र त्रिपाठी संयोजक और डॉ. सूरज मंडल जिला समन्वयक चुने गए।

संगठन के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा कि फिजियोथेरेपी एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से विभिन्न प्रकार के दर्द और समस्याओं का दवा रहित इलाज किया जाता है। फिजियोथैरेपिस्ट के लिए व्यवस्थित और संगठित ज्ञान के साथ–साथ अनुभवी मार्गदर्शक की निगरानी जरूरी होता है। डॉ. धनंजय कुशवाहा ने कहा कि मेडिकल कालेज के चेयरमैन विनय श्रीवास्तव ने फिजियोथेरेपी के विभिन्न कोर्स को उपलब्ध कराया गया है। यहां से हर वर्ष सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी फिजियोथेरेपिस्ट बन रहे है।

साथ ही उनकी रोजगार की व्यवस्था करा रहे हैं। कार्यशाला में पूर्वांचल फिजियोथेरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन गोरखपुर कार्यकारिणी के डॉ. राकेश सिंह, डॉ. रवि राव, डॉ. शोभित श्रीवास्तव, डॉ. रजत यादव और डॉ. एमएल के अलावा मेडिकल कालेज के फिजियोथेरेपी विभाग की डॉ. सोनम वर्मा, डॉ. रेनु, प्रिया, सोफिया के कई फिजियोथेरेपी विद्यार्थी शामिल रहे।

उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना मुख्य उद्देश –डॉ रमाकांत

संवाददाता–बलरामपुर। श्रीरामतीर्थ चौधरी ग्रुप ऑफ कॉलेज में 2024–25 की वार्षिक शैक्षणिक योजना बैठक आयोजित की गई। यह बैठक डीएलएड संस्थान शिवा कॉलेज के श्यामलाल वर्मा सभागार में आयोजित हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ ग्रुप निदेशक शुभम वर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन कर किया। साथ ही श्रीरामतीर्थ चौधरी ग्रुप आफ कॉलेज के संस्थापक पूर्व विधायक श्यामलाल वर्मा के चित्र पर माल्यार्पण किया। आयोजक संस्था शिवा कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्राचार्य डॉ पवन कुमार नन्दा ने योजना बैठक की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डॉ रमाकांत वर्मा ने कहा कि सभी संस्थाओं को एक साथ मिलकर सहयोग करते हुए आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि अनुशासन, संसाधन व पठन–पाठन को बेहतर बनाए रखना ही मुख्य लक्ष्य है। खेल प्रशिक्षक अंशु वर्मा ने ग्रुप के स्कूल कॉलेज को प्रदेश स्तर पर स्थान दिलाने का भरोसा दिलाया। कॉलेज प्राचार्य डॉ हवलदार वर्मा ने कहा कि हम सभी को टीम की तरह काम करना है। साथ ही अनुशासन व पाठयक्रम पर विशेष ध्यान देते हुए संस्थापक श्याम लाल वर्मा के सपनों को साकार करना है। योजना बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि इस बारस्य श्यामलाल वर्मा प्रतिभा खोज परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी कन्या इन्टर कालेज इमलिया बनघुसरा की होगी। जबकि स्थापना दिवस समारोह का दायित्व श्रीराम तीर्थ चौधरी डिग्री कॉलेज एवं शिवा कॉलेज ऑफ एजुकेशन को दिया गया। ग्रुप ऑफ कॉलेज की वार्षिक पत्रिका संस्कार के प्रकाशन का दायित्व महाविद्यालय ने लिया। योजना बैठक में श्रीरामतीर्थ कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या लक्ष्मी वर्मा, पब्लिक स्कूल इंग्लिश मीडियम की प्रिंसिपल पूजा वर्मा, कन्या इंटर कॉलेज गौर गुमड़ी के प्रधानाचार्य सुशील श्रीवास्तव, लोकहित इंटर कॉलेज दुधरा गैंडास बुजुर्ग के प्रधानाचार्य जीतेन्द्र सिंह राठौड़, आशुतोष साहनी, राम कुमार जायसवाल, डॉ. रामसरन सिंह, बच्छराज वर्मा, विकास शर्मा, राहुल वर्मा, माधवी सिंह, सुमन पांडेय, मंशाराम यादव, आफताब आलम, राम जानकी गुप्ता व शगुन श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अल्ट्रासाउंड कक्ष में लटक रहा ताला, मरीज परेशान

संवाददाता–श्रावस्ती। जिला अस्पताल के अल्ट्रासाउंड कक्ष में कई दिनों से ताला लटक रहा। यहां तैनात रेडियोलाजिस्ट अवकाश पर गए थे जो अभी नहीं लौटे हैं। ऐसे में जरूरतमंद मरीजों को मजबूरी में अस्पताल से बाहर अल्ट्रासाउंड कराना पड़ रहा। जिला अस्पताल में पिछले कई दिनों से अल्ट्रासाउंड कराना मरीजों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। क्योंकि इन दिनों अल्ट्रासाउंड कक्ष में ताला लटक रहा है और मरीज परेशान हैं। बताया जाता है कि यहां तैनात रेडियोलाजिस्ट निजी कार्य के लिए अवकाश पर हैं जो अभी लौटे नहीं हैं। ऐसे में अल्ट्रासाउंड नहीं होता है और कक्ष में हमेशा ताला लटकता रहता है। अस्पताल में जो अल्ट्रासाउंड मुफ्त में हो जाता है उसी के लिए मरीजों को बाहर अल्ट्रासाउंड कराने पर सात सौ से 12 सौ रुपये तक देने पड़ रहे हैं। जेबे ठीली करना मरीजों की भी मजबूरी है। मरीज इलाज कराने अस्पताल आते हैं। जरूरत पर चिकित्सक अल्ट्रासाउंड के लिए लिखते हैं। लेकिन जिला अस्पताल का अल्ट्रासाउंड कक्

दाम नहीं,सुविधा बढ़ाएगा बीएसएनएल, 4जी सेवा शुरू,1 लाख नए उपभोक्ता जुडे

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्ण स्वदेशी तकनीक से निर्मित 4जी मोबाइल सेवा की गोरखपुर में शुरूआत हो चुकी है। बीएसएनएल सभी मोबाइल सेवा प्रदाता कंपनियों से सबसे बेहतर और सस्ती सुविधा प्रदान कर रहा है। यही कारण है कि हाल ही के दिनों0 में पूरे देश में 6.50 लाख उपभोक्ता इससे नए जुड़े हैं। एक लाख से उपर उपभोक्ता दूसरे कंपनियों से अपने नंबर को पोर्ट कराके आए हैं। गोरखपुर में जुलाई माह में एक लाख से अधिक नए ग्राहक बीएसएनएल से जुड़े हैं। ये बातें मुख्य महाप्रबंधक महेश चंद सिंह ने शनिवार को मुख्य दूरसंचार कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल पूरे पूर्वांचल में 1800 टावर लगा चुका है। अक्तूबर तक 3800 टावर और लगाए जाने हैं। इस साल के अंत करीब 4600 टावर लगाने का लक्ष्य है। इसके साथ ही बैटरी व पावर प्लांट नए लगाए जा रहे हैं। लैंडलाइन को कॉपर की जगह फाइवर में बदला जा रहा है। इससे सर्विस कभी बाधित नहीं होगी। बताया कि बीएसएनएल को 18 महीने में 25 प्रतिशत शेयर मार्केट लेकर आना है।

बीएसएन को सबकी फिक्र है, इसके चलते दाम नहीं बढ़ाए जाएंगे। बल्कि गांव–गांव में बेहतर सुविधा के तहत कनेक्शन बढ़ाए जाएंगे। बताया कि हर ग्राम पंचायत में पांच जगहों पर कनेक्शन लगाए जाने हैं। उत्तर प्रदेश में 16 हजार ग्राम पंचायतों में फिलहाल कनेक्शन लगाए जाएंगे। इसमें स्कूल, आंगनबाड़ी, हेल्थ सेंटर आदि शामिल हैं। मुख्य महाप्रबंधक ने कहा कि बीएसएनएल बेहतर सेवा नया लक्ष्य के मूल मंत्र के तहत काम कर रहा है। इसके तहत गोरखपुर के साथ महराजगंज, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, देवरिया, कुशीनगर, बलिया, मऊ, आजमगढ़ आदि जिलों में 4जी सेवाएं शुरू कर दी गई हैं। बीएसएनएल सभी कंपनियों को मात दे रहा है। इसके चलते लोग इससे जुड़ रहे हैं। मुख्य महाप्रबंधक ने कहा कि 5जी की जगह लोगों को अच्छी स्पीड देखना चाहिए। इंटरनेट चलाते समय बफरिंग नहीं होनी चाहिए। 90 प्रतिशत ग्राहकों का काम तो 3जी नेटवर्क के स्पीड पर भी चल जाता है। बीएसएन का 4जी अच्छी स्पीड कम दामों पर उपलब्ध कर रहा है। जबकि अन्य कंपनियों के दाम काफी अधिक है। इसके चलते लोग बीएसएनएल से जुड़ रहे हैं। बीएसएनएल लोगों के लिए सभी सुविधएं मुहैया कराने के लिए जुटा है।

प्राइवेट पार्ट दिखाता है ससुर, बहू ने दर्ज कराया मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। तिवारीपुर इलाके की महिला ने अपने ससुर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। बहू का आरोप है कि ससुर कमरे में आकर उसे अपना प्राइवेट पार्ट दिखाता है। महिला ने मोबाइल से इसका एक वीडियो भी बनाया है। ससुर की हरकतों से तंग आकर महिला ने तिवारीपुर थाने में केस दर्ज कराया है। तिवारीपुर थाना क्षेत्र की पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि निकाह के बाद से ही ससुर उसपर गलत निगाह रखता था। कई बार अकेला पाकर मेरे ससुर पास आकर छेडखानी करने लगते थे। उम्र का लिहाज कर कई बार मैंने उनकी गलतियों को नजर अंदाज करती रही। इधर, कुछ दिनों से ससुर मेरे कमरे में आकर अपना प्राइवेट पार्ट दिखा रहे थे, मैंने डांटकर कई बार भगाया भी। मैंने प्राइवेट पार्ट दिखाते समय ससुर की करतुत मोबाइल में रिकॉर्ड कर ली है। पुलिस पीड़िता द्वारा बनाए गए वीडियो के आधार पर आरोपी ससुर के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है। महिला का कहना है कि उसके पति बाहर रहते हैं। इसलिए ससुर गंदी हरकतें करते हैं।

करंट की चपेट में आने से किशोर की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम रसूलाबाद में शनिवार को फर्राटा पंखा सोते समय एक बालक के ऊपर गिर गया। जिससे वह करंट की चपेट में गया और वह घायल हो गया। उसे आनन फानन में इलाज के लिए परिजन जिला अस्पताल ले गए। वहां डाक्टरों ने मासूम को देखा और मृत घोषित कर दिया। ग्राम पंचायत रसूलाबाद के अड़रिया टोला निवासी अमित यादव (13) पुत्र श्रीराम यादव शनिवार दोपहर में घास काटकर लौटा था। गर्मी से बचाव के लिए फर्राटा पंखा लगाया। उसके बाद उसे नींद लग गई। इसी दौरान पंखा उसके शरीर पर गिर गया और करंट की चपेट में गया। किशोर को बचाने के लिए आनन–फानन में परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर गए। वहां पर पहुंचने के बाद डाक्टरों ने जांच की। उसके बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इस सूचना से कोहराम मच गया।

सरयू नहर में उतराता मिला दुकानदार का शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मोहाना थाना क्षेत्र के दुल्हा खुर्द गांव के पास से बही सरयू नहर में शनिवार सुबह एक दुकानदार का शव उतराता मिलने से हड़कंप मच गया। तरह–तरह की चर्चा हो रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। दुल्हा खुर्द गांव निवासी शोभनाथ उर्फ मिथुन (30) पुत्र सूर्यबली गांव के दक्षिण पंचायत भवन के ठीक सामने एक टंकी में अंडा बेचने का काम करता था। वह प्रतिदिन टंकी बंद करके घर में सोने चला आता था। शनिवार की सुबह कुछ लोग सरयू नहर की ओर गए तो उसका शव पानी में उतराता मिला। शोर मचने पर गांव के तमाम लोग पहुंच गए और शव को बाहर निकाला गया। जिस स्थान पर शव मिला है वह गांव से सात सौ मीटर की दूरी पर है। मिथुन की मौत को लेकर गांव में तरह–तरह की चर्चा है। लोग सवाल कर रहे है कि वह आखिर गांव से इतनी दूर सरयू नहर पर क्या करने गया था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। मृतक के परिजनों व ग्रामीणों से बात की लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मोहाना थानाध्यक्ष जीवन त्रिपाठी ने बताया कि मृतक की लाश सरयू नहर से ही मिली है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

प्रगति ठीक न मिलने पर सहकारी बैंकों के प्रबंधकों पर होगी कार्रवाई

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सहकारी बैंक के प्रबंधकों की ओर से जुलाई की ऋण की वसूली व किसानों को दिए जाने वाला ऋण की प्रगति लक्ष्य के सापेक्ष ठीक न मिलने पर डीएम डॉ.राजा गणपति आर ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जिनकी उपलब्धि ठीक नहीं मिलेगी उन बैंक प्रबंधकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ऋण वसूली की प्रगति बढ़ाने का निर्देश दिया। ये बातें डीएम ने शुक्रवार की रात सहकारिता विभाग के जुलाई माह के कार्यों की समीक्षा में कहीं। डीएम ने निर्देश दिया कि शार्ट व लांग टर्म ऋण लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ण करें व बड़े बकायेदारों से ऋण की वसूली करें। डिफाल्टर बकायादारों से लोन की वसूली करें। सहायक निबंधक सहकारिता पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जिला सहकारी बैंक के प्रबंधकों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक करें। सभी सुनिश्चित करें कि ज्यादा से ज्यादा किसानों को ऋण का लाभ मिले। किसानों से संपर्क कर जो 10 प्रतिशत शेयर की धनराशि जमा कराकर किसानों को सदस्य बनाया जाता है, अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करें। वर्तमान में खरीफ फसल में डाई, एनपीके यूरिया, खाद समितियों के गोदामों में आपूर्ति के सापेक्ष वितरण की समीक्षा की। इसमें यूरिया खाद का वितरण मानक के अनुरूप कम पाया गया।

डीएम ने गागापुर और जूड़ीकुइयां गांव का किया दौरा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डीएम डॉराजा गणपति आर ने शनिवार को इटवा तहसील क्षेत्र के गागापुर व जूड़ीकुइयां गांव का दौरा किया। उन्होंने बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के साथ बाढ़ पीड़ितों से मिल कर उनकी समस्याएं सुनीं और समस्याओं के समाधान के लिए एसडीएम कल्याण सिंह मौर्य को निर्देशित किया। बाढ़ क्षेत्र का जायजा लेने निकले डीएम सबसे पहले गागापुर गांव पहुंचे। यहां पर राप्ती नदी के जलस्तर को देखने के साथ मौके पर मौजूद मिले बाढ़ पीड़ितों से उनकी समस्याएं सुनीं। बाढ़ पीड़ितों ने बताया कि बाढ़ की दोहरी मार ने उन्हें बर्बादी के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। पहले आई बाढ़ में फसल बर्बाद होने के बाद वह किसी तरह दोबार कर्ज लेकर धान की रोपाई किए थे। लेकिन दोबारा आई बाढ़ में वह भी डूब गई है। बाढ़ पीड़ितों ने डीएम से कहा कि अगर नहर पर साइफन बना होता तो शायद हमारी फसल बच जाती। लेकिन कई बार आवाज उठाने के बाद भी इस दिशा में कोई कमा नहीं हुआ। बाढ़ पीड़ितों की समस्याओं को लेकर डीएम ने एसडीएम इटवा को निर्देशित किया कि इन लोगों की जो समस्याएं है, उसकी पूरी रिपोर्ट तैयार कर मुझे बताएं। कुछ बाढ़ पीड़ितों ने इस बाढ़ से पहले आई बाढ़ की क्षतिपूर्ति न मिलने की शिकायत की। इस पर डीएम ने एसडीएम से जल्द क्षतिपूर्ति के पात्र सभी वंचितों की समस्याओं का समाधान कराने के लिए कहा। जूड़ीकुइयां गांव के बाढ़ पीड़ितों ने बताया कि हर वर्ष बांध न पूरा होने से नुकसान होता है। यदि बांध पूर्ण होता तो हम सभी को अपनी फसल की बर्बादी न देखनी पड़ती। डीएम ने बताया कि बाढ़ आ जाने व बारिश से समस्या हुई।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
नम्बर मुकदमा 1235/2022
अदालत–श्रीमान ग्राम न्यायालय भानपुर बस्ती महोदय जिला–बस्ती
अब्दुल रहीम
बनाम
विकास सिंह
1. विकास सिंह पुत्र हरिशचन्द्र सिंह साकिन बसडीला पो0 दसिया परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 20 माह 08 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0–245/2024
–C 202417000000245
अदालत– श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती
चन्द्रमौली पाण्डेय आदि
बनाम
रमाकान्त पाण्डेय आदि
1. रमाकान्त पाण्डेय पुत्र स्व0 रामशब्द पाण्डेय 2. श्रीमती गीता देवी पत्नी स्व0 उमाकान्त 3. पंकज कुमार पुत्र स्व0 उमाकान्त 4. राहुल पाण्डेय पुत्र स्व0 उमाकान्त 5. रूद्र प्रसाद पुत्र स्व0 रामशंकर निवासी 1 ता 5 ग्राम दसकोलवा तप्पा कपरी महसो तहसील व जिला–बस्ती 6. उजयवीर सिंह पुत्र रामकोमल सिंह निवासी पुराना डाकखाना सिविल लाईन तप्पा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 7. ग्राम प्रधान ग्राम दसकोलवा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 8. उ0प्र0 राज्य द्वारा कलेक्टर/जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 30–08–2024

अपील बनराजी आदेश अदालत जिलाधिकारी महोदय मुकाम बस्ती मयरिखा 15 महीना 01 सन् 2024 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 30 महीना 08 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 24 माह 08 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0–C 202317000000855
अदालत– श्रीमान आयुक्त महोदय बस्ती जिला बस्ती
बेचूराम
बनाम
सरकार आदि
1. रामलगन पुत्र भारतमणि 2. महेन्द्र कुमार पुत्र ओरी 3. आदर्श 4. आकाश पुत्रगण देवेन्द्र कुमार 5. श्रीमती निर्मला पत्नी देवेन्द्र कुमार 6. सुनील चौधरी 7. बालमुकुन्द चौधरी पुत्रगण रामउदित निवासीगण ग्राम साहा तप्पा सिरवत परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 25–09–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 25 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 24 माह 08 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 182/2021
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती
नसरीन फातमा
बनाम
सोनू जायसवाल आदि
2. सोनू जायसवाल पुत्र विनोद जायसवाल निवासी ग्राम बड़ी बाजार पो0 गनेशपुर जिला–बस्ती (वाहन स्वामी मोटर साईकिल नं0 UP 51 ए0ए0 3414)
4. विशाल सिंह पुत्र विवेकानन्द सिंह निवासी ग्राम अभयपुर पो0 बरहपुर जिला–बस्ती पिन कोड–272163 (वाहन चालक मोटर साईकिल नं0 UP 51 ए0ए0 3414)

तारीख पेशी 27–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 27 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस (धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1) न्यायालय– श्रीमान न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय मेहदावल संतकबीरनगर
मु0नं0 142/2024
थाना–मेंहदावल
जिला–संतकबीरनगर
शरीकुन्निशा आदि
बनाम
इश्तियाक अहमद

तारीख पेशी 17–09–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 जा0फौ0

विपक्षी–इश्तियाक अहमद पुत्र अब्दुलवफा साकिन लेडुआ महुआ थाना बखिरा जिला–संतकबीरनगर

विपक्षी

के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 09 मास के 17 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 2024 ई0 08 मास 21 के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर
न्यायाधिकारी
ग्राम न्यायालय मेहदावल
संतकबीरनगर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
नम्बर मुकदमा 172/2024
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सीडि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती
रणंजय सिंह
बनाम
जामवंती आदि
1. जामवंती उम्र लगभग 46 साल पत्नी राम अवधपाल निवासी ग्राम गोनार तप्पा जगरनाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 2. कोमल उम्र लगभग 53 साल 3. बेचन उम्र लगभग 43 साल 4. मदन उम्र लगभग 38 साल 5. अवधेश उम्र लगभग 33 साल पुत्रगण स्व0 कन्हैया 6. शैल कुमारी उम्र लगभग 48 साल पुत्री कन्हैया निवासी पाकरडाड़ तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 7. जनार्दन सिंह उम्र लगभग 89 साल 8. जगदीश्वर प्रसाद सिंह उम्र लगभग 81 साल पुत्रगण स्व0 ज्वाला प्रसाद सिंह 9. अदिति सिंह उम्र लगभग 40 साल पुत्री स्व0 धनंजय सिंह निवासी पाकरडाड़ तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 23–09–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0–C 20171700874
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त न्यायिक बस्ती मण्डल बस्ती जिला बस्ती
गौरी देवी
बनाम
अनिल सिंह आदि
1. अनिल सिंह पुत्र स्व0 राजबहादुर सिंह 2. निक्की सिंह उर्फ हर्षिता सिंह 3. विक्की उर्फ दिव्यांशी सिंह 4. बच्ची सिंह उर्फ ग्रेसी सिंह पुत्रीगण स्व0 धर्मवीर सिंह 5. श्रीमती अनीता सिंह पत्नी स्व0 धर्मवीर सिंह निवासीगण ग्राम शाहपुर मुस्तहकम तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला–सिद्धार्थनगर 6. कर्मवीर सिंह पुत्र स्व0 राजबहादुर सिंह निवासी ग्राम शाहपुर मुस्तहकम तप्पा करही परगना रसूलपुर तहसील डुमरियागंज जिला–सिद्धार्थनगर 7. नगर पंचायत डुमरियागंज जरिये अध्यक्ष

तारीख पेशी 12–09–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 12 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 24 माह 08 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

मोहम्मद उमर अमजदिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय पटखौली- जनपद- बस्ती

आवश्यकता है

मोहम्मद उमर अमजदिया स्नाकोत्तर महाविद्यालय ग्राम–पटखौली पोस्ट– सबर्दया कलॉ जनपद– बस्ती में सिद्धार्थ विश्व विद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर से सम्बद्धता प्राप्त कला संकाय के अंतर्गत एम. ए. में गृह विज्ञान, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र एवं बी.सी.ए. (B.C.A.) विषय में प्रवक्ता की आवश्यकता है। योग्यता अनुसार वेतनमान – यू.जी.सी. पी.एच. डी. नियमावली के अनुसार ।

सम्पर्क–7236007111,9793130680

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी शाबिर अली पुत्र श्री मुसीबत अली ग्राम उल्लहा पोस्ट– हरीशनगर हरिगांव थाना परशुरामपुर तहसील हर्रैया जनपद बस्ती का निवासी है। प्रार्थी के दो पुत्र मुस्ताक और अशफाक हैं। मेरे बड़े पुत्र मुस्ताक का व्यवहार परिवार के प्रति ठीक नहीं है। वह परिवार की बात नहीं मानता, इससे हम प्रार्थी और मेरा परिवार काफी परेशान है। वह स्वछन्द मस्तिष्क का है और उसका सम्बन्ध असामाजिक लोगों से है। इससे दुःखी होकर मैं अपने पुत्र मुस्ताक को अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं अपने किसी भी कृत्य, लेन–देन, वाद विवाद आदि के लिये वह स्वंय जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स गोरखपुर मण्डल गोरखपुर।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शब्बीर अली पुत्र गुल हसन द्वारा नाजिम की हैसियत से संस्था निजामी नौजवान सोसाइटी, ग्रा. केवटाखोर, पो. जहलीपुर, थाना–सोनहा, तहसील–भानपुर, जिला–वस्ती, के पंजीकरण हेतु निर्धारित शुल्क व प्रपत्र प्रस्तुत किये गये है। प्राप्त अभिलेख के अनुसार सर्व श्री नूर मोहम्मद–सदर, इन्सान अली–नायब सदर, शब्बीर अली–नाजिम, शौकत अली– नायव नाजिम, शहवान अली खजांची, रज्जाक अली–सदस्य, रहमतुल्लाह–सदस्य, नूर मो. सदस्य, अब्दुल अजीज–सदस्य दर्शाए गये।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संस्था के पंजीकरण पर आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन मे अन्दर प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा और गुण–दोष के आधार पर संस्था के पंजीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी। विदित हो कि उक्त नोटिस सो. रजि. एक्ट 1860 की धारा 3 (1) के अन्तर्गत जारी किया जा रहा है।

आज्ञा से
(बी0के0 सिंह)
सहायक रजिस्ट्रार
गोरखपुर मण्डल गोरखपुर

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com

फाईलेरिया (हाथी पाँव) भयंकर रोग आसान उपाय

फाईलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत एम०डी०ए० (मान्स ड्रगएडमिनिस्ट्रेशन) अगस्त 2024 आयोजन तिथि 10.08.2024 से 02.09.2024 तक आश एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं/ औषधि सेवकों द्वारा घर–घर जाकर फाईलेरिया की दवा निम्नलिखित तालिका के अनुसार निःशुल्क खिलाई जायेगी:–

आयु वर्ग	डीइई0सी0	एल्बेडाजोल
01 वर्ष से कम	0	0
01 से 02 वर्ष तक	0	आधी गोली गोली (200 मि0ग्र0)
02 में 05 वर्ष तक	01 गोली (100 मि0ग्र0)	01 गोली (400 मि0ग्र0)
05 से 15 वर्ष तक	02 गोली (200 मि0ग्र0)	01 गोली (400 मि0ग्र0)
15 वर्ष से उपर	03 गोली (300 मि0ग्र0)	01 गोली (400 मि0ग्र0)

सावधानियां:–

1– 2 वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चे, गर्भवती महिलाओ, अत्यन्तवृध एवं गंभीर रोग से बीमार व्यक्तियों को दवा नहीं खानी है।
2– दवा खाली पेट न खायें, कुछ खाने के बाद ही दवा का सेवन करें।
3– एल्बेंडाजोल की गोली /दवा चबाकर खायें।
4– 01 से 02 वर्ष तक के बच्चों को केवल एम्बेडाबोल की आधी गोली का सेवन करना है, डी०ई०सी० की औषधि नहीं देनी है।
5– दवा खाने के बाद यदि कोई प्रतिकूल प्रभाव दिखे तो निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें।

फाईलेरिया रोग से बचाव हेतु इस सुविधा का लाभ उठायें। रोग के प्रभावी नियंत्रण में अपना सहयोग प्रदान करें।।

डॉ० आर०एस० दुबे मुख्य चिकित्सा अधिकारी बस्ती
डॉ० एस० बी० सिंह ए०सी०एम०ओ० (वी०बी०डी०) बस्ती
आई०ए० अंसारी जिला मलेरिया अधिकारी बस्ती
रवीश गुप्ता IAS जिलाधिकारी बस्ती

पत्राकः मु०चि०अ०/एम०डी०ए०/विज्ञापन/ 2024–25/361 दिनांकः– 09.08.2024